वर्ष 24, अंक 284, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 23 अप्रैल 2026 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

हार रहीं दीदी, चुनाव से पहले शाह का बड़ा दावा

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में गुरुवार (23 अप्रैल 2026) को पहले चरण की वोटिंग से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा. साउथ 24 परगना में एबीपी न्यूज से एक्सक्लूसिव बातचीत में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि टीएमसी को हराने में बंगाल की जनता, बीजेपी के कार्यकताओं से आगे है.

बीजेपी-चुनाव आयोग के गठजोड़ के आरोपों पर गृह मंत्री का बयान

टीएमसी लगातार बीजेपी और चुनाव आयोग के बीच गठजोड़ का आरोप लगा रही है. इस पर अमित शाह ने कहा, 'तमिलनाडु में हमारी विरोधी सरकार है, वहां ये मुद्दा नहीं उठा. केरल में भी विरोधी सरकार है कोई आरोप नहीं लगा. असम में कांग्रेस ने भी हमपर कोई

आरोप नहीं लगाया. सिर्फ ममता बनर्जी हैं जिनको तकलीफ है, जो आरोप लगा रही हैं.' उन्होंने कहा, 'ममता बनर्जी को जनता की आवाज सुनाई नहीं देती है. मैं उनको बंगाल की जनता की आवाज सुना रहा हूं. वो जरा ऊंचा सुनती हैं इसलिए मैंने कहा कि कान खोलकर सुन लो इसमें क्या बुराई है. सबसे कान खोलकर ही सुनना चाहिए. ममता बनर्जी को अपनी हार दिख रही है.' उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद घुसपैठियों को रोकना और हटाना हमारी प्राथमिकता रहेगी.

देश में घुसपैठिए नहीं रह सकतेः अमित शाह

उन्होंने कहा, 'इस देश में घुसपैठिए नहीं रह सकते. आधार कार्ड बनाना, पंचायत का दाखिला बनाना, घुसपैठिए आए तो उसे गांव में रहने देना और बॉर्डर एरिया में बाड़ नहीं लगाने देना ये सब करके ममता बनर्जी कह रही हैं कि आप घुसपैठिए रोक लो. ये तो ऐसा है कि हाथ बांध दो और समंदर में डाल दो और कहो कि तैरकर बाहर आ जाओ. ऐसे नहीं हो सकता. मैं पूरे देश के मतदाता को बताना चाहता हूं कि हम त्रिपुरा में आए वहां घुसपैठ रुक गई. असम में आए वहां भी रुकी. बंगाल में भी 5 मई को हमारी सरकार बनेगी और घुसपैठ रुक जाएगी.'

बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'सीएम ममता बनर्जी खुद कहती हैं ।

राहुल बाबा की संगत में बिगड़ी मल्लिकार्जुन खरगे की भाषा- शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहने की कड़ी आलोचना की और खरगे की इस भाषा का कारण राहुल गांधी के नकारात्मक प्रभाव को बताया। एक चुनावी रैली में बोलते हुए शाह ने कहा कि जिस नरेंद्र मोदी जी ने आतंकवाद का खात्मा किया, उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आतंकवादी कह रहे हैं। राहुल बाबा के आसपास रहने से खरगे जी की भाषा भी बिगड़ने लगी है।

राहुल गांधी को सीधे संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सुनिए, राहुल बाबाङ्ग आप मोदी जी पर जितनी गालियां बरसाएंगे, जितना कीचड़ उछालेंगे, कमल उतना ही अधिक गौरव से खिलेगा, और हम राज्य में यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लाएंगे, जिससे तीन तलाक और चार विवाह करने की प्रथा समाप्त हो जाएगी।

यह विवाद मंगलवार को तमिलनाडु चुनाव प्रचार के अंतिम दिन खरगे के भाषण के बाद शुरू हुआ।

पीएम पर 'आतंकवादी' टिप्पणी

भारत निर्वाचन आयोग का बड़ा एक्शन, खरगे को थमाया नोटिस

नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई 'आतंकवादी' टिप्पणी का गंभीर संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर कारण बताओ नोटिस जारी किया। यह घटनाक्रम मंगलवार को तब सामने आया जब निर्मला सीतारमण समेत तीन केंद्रीय मंत्रियों के एक भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से संपर्क कर कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान पर उनके खिलाफ "कड़ी से कड़ी कार्रवाई" की मांग की।

मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहकर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) की मोदी के साथ गठबंधन करने की आलोचना की थी। कांग्रेस नेता ने बाद में अपने इस बयान पर स्पष्टीकरण दिया। इस बयान के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने खरगे के इस बयान को न केवल मोदी का, बल्कि 14 लाख भारतीयों का अपमान बताया। चेन्नई में पत्रकारों को संबोधित करते हुए खरगे ने एआईएडीएमके के भाजपा के साथ गठबंधन करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए पूछा कि ये एआईएडीएमके के लोग, जिन्होंने खुद अन्नादुराई की तस्वीर लगाई।

योगी बोले- टीएमसी ने 30 लाख युवाओं की नौकरी छीनी

ममता राज में 7000 इंडस्ट्रीज बंद!

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर जोरदार हमला बोलते हुए दावा किया कि उसके शासन में पश्चिम बंगाल में उद्योगों का भारी पतन हुआ है और उसने एक राष्ट्रीय आर्थिक अगुआ के तौर पर अपनी जगह खो दी है। बड़ा बाजार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य, जो कभी उद्योग, शिक्षा और संस्कृति के लिए जाना जाता था, अब वर्षों के कुशासन के कारण पिछड़ गया है। योगी

आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन के दौरान 7,000 से ज्यादा बड़ी इंडस्ट्रीज बंद हो गईं। उन्होंने कहा कि बंगाल, जो कभी कई सेक्टरों में सबसे आगे था, अब सबसे नीचे पहुँच गया है और साथ ही यह भी जोड़ा कि हजारों एमएसएमई यूनिट्स भी बंद हो गई हैं, जिससे लगभग 30 लाख युवाओं की नौकरियाँ चली गई हैं। उन्होंने दावा किया कि इस गिरावट ने राज्य को एक ऐसी जगह में बदल दिया है, जिसे उन्होंने इंडस्ट्रीज का कब्रिस्तान बताया।

टैगोर की विरासत को राजनीतिक मुद्दा बनाया गया

नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के जोरासांको स्थित पैतृक घर का ज़िक्र करते हुए, योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी पर बंगाल की सांस्कृतिक विरासत का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस ऐतिहासिक घर के अंदर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पोस्टर लगाए गए थे, जिसे उन्होंने टैगोर की विरासत का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों पर भारत माता और महान सांस्कृतिक हस्तियों की झलक दिखनी चाहिए, न कि राजनीतिक प्रदर्शन।

उत्तर भारत में आग बरपाएगा सूरज

ओडिशा

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों के लिए लू की चेतावनी जारी की है, जिसमें आने वाले दिनों में बढ़ते तापमान और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के बारे में बताया गया है। पूर्वानुमान के अनुसार, 24 और 25 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी अगले कुछ दिनों में ऐसी ही स्थिति रहने की आशंका है।

ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और तटीय कर्नाटक सहित तटीय और दक्षिणी क्षेत्रों में भी गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है। वहीं, आईएमडी द्वारा जारी बयान के अनुसार, दिल्ली, हरियाणा, ओडिशा और पश्चिमी तटीय क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहने की संभावना है। दिल्ली के लिए, आईएमडी ने 24 अप्रैल को मुख्य रूप से साफ आसमान और कुछ स्थानों पर लू चलने का पूर्वानुमान लगाया है। नई दिल्ली में बुधवार से शुक्रवार तक लू चलने की आशंका है।

पवन ऊर्जा में भारत की ऊंची उड़ान

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि भारत पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता का तेजी से विस्तार कर रहा है और अब इस क्षेत्र में विश्व के शीर्ष चार देशों में शामिल है। विंड इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के 13वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम WIPPA का 13वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, यह ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक सशक्त आवाज बनकर उभरा है।

क्षेत्रीय विकास पर प्रकाश डालते हुए जोशी ने कहा कि हमने 2023-24 में 6.1 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी है। आज भारत 46.1 गीगावाट से अधिक स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता के साथ वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है और 28 गीगावाट क्षमता पर अभी भी काम चल रहा है।

हर हर महादेव के जयघोष के बीच गूंज उठा धाम, सीएम भी रहे मौजूद

उत्तराखंड

उत्तराखंड की पवित्र चारधाम यात्रा शुरू हो चुकी है. इस बीच श्रद्धालुओं के लिए बाबा केदारनाथ के कपाट खुल गए हैं. श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बुधवार (22 अप्रैल) को बाबा केदार के द्वार को खोल दिया गया है. मंत्रोंच्चारण के साथ अगले 6 महीने के लिए कपाट खोले गए हैं. इस दौरान हर हर महादेव के जयघोष से बीच पूरा धाम गूंज उठा है. इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी

मौजूद रहे.

श्रद्धालुओं का छह महीने का लंबा इंतजार अब खत्म हो गया है. बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह डोली ने गर्भ गृह में प्रवेश किया. बद्री-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ तीर्थ पुरोहित समाज और हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे. कड़ी सुरक्षा के बीच बाबा केदार के द्वार खोले गए हैं.

कपाट खुलने के समय सीएम धामी रहे मौजूद

बाबा केदार के कपाट खुलने के समय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे. इस बीच केदारनाथ मंदिर परिसर जय श्री केदार के जयकारों से गुंजायमान हुआ. सेना की ओर से केदारपुरी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है.

वैदिक मंत्रों के उच्चारण और पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ केदारनाथ धाम के द्वार श्रद्धालुओं के लिए आधिकारिक तौर पर खोल दिए गए हैं. भारत और विश्व भर से हजारों तीर्थयात्री इस पवित्र स्थान पर एकत्रित हुए हैं. कपाट खुलने के बाद सीएम धामी दर्शन पूजन करेंगे. इसके लिए भी केदार समिति की तरफ से व्यापक तैयारियां की गई हैं.

सीएम धामी ने दी थी कपाट खुलने की जानकारी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर कपाट खुलने की जानकारी साझा की थी।

एटीएफ में ब्लेंडिंग का रास्ता साफ, महंगा हवाई सफर होगा सस्ता!

इथेनॉल पर सरकार ने बदला नियम

नई दिल्ली

देश में हवाई सफर को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. भारत सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एटीएफ में इथेनॉल को मिलाने की अनुमति दे दी है. इसके लिए अधिसूचना भी जारी कर दी गई है.

अब एटीएफ में इथेनॉल के अलावा अन्य सिंथेटिक या मानव-निर्मित हाइड्रोकार्बन को भी मिलाया जा सकेगा.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना के जरिए एटीफ की मार्केटिंग से जुड़े नियमों को भी अपडेट किया है और इसके प्रवर्तन प्रावधानों को संशोधित आपराधिक प्रक्रियाओं के अनुरूप बनाया है. यह फैसला आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत जारी 'एविएशन टर्बाइन फ्यूल (मार्केटिंग का विनियमन) आदेश 2001' में किए गए संशोधनों के बाद लिया गया है.

हालांकि सरकार ने अभी इस नियम के लिए कोई तत्काल अनिवार्य लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है. साथ ही इस अधिसूचना में कोई समय-सीमा भी तय नहीं की गई है.

इथेनॉल ब्लेंडिंग क्यों जरूरी है?

दरअसल अब तक विमान सिर्फ पारंपरिक तेल पर चलते थे, लेकिन अब इसमें सिंथेटिक ईंधन मिलाने से खर्च कम होगा. क्योंकि सरकार का टारगेट विदेशों से आने वाले महंगे कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को घटाना है. जब कच्चा तेल कम इस्तेमाल होगा तो विमानन कंपनियों का खर्च कम होगा और हवाई किराया सस्ता होगा.

सरकार का टारगेट प्रदूषण को कम करना भी है. यह कदम भारत को 'नेट जीरो' उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर ले जाएगा. जब विमानों में प्रदूषण कम करने वाला ईंधन डलेगा तो आसमान भी साफ रहेगा. अब ईंधन को क्र 17081 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ मिलाया जा सकेगा. अभी सरकार ने कोई अनिवार्य लक्ष्य तो तय नहीं किया है कि कितना मिश्रण जरूरी है, लेकिन नियमों में बदलाव कर-के यह साफ कर दिया है कि भविष्य 'क्लीन एनर्जी' का ही है.

भारत ने ?1.63 लाख करोड़ से ज्यादा की विदेशी मुद्रा बचाई

इतना ही नहीं भारत ने 2014 से अब तक इथनॉल ब्लेंडिंग के जरिए ?1.63 लाख करोड़ से ज्यादा की विदेशी मुद्रा बचाई है।

नीतीश कुमार ने जेडीयू में किया बड़ा संगठनात्मक बदलाव

बिहार

नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड के लिए एक नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की है, जिसमें संजय झा को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष फिर से नियुक्त किया गया है। नए संगठनात्मक ढांचे में 12 राष्ट्रीय महासचिवों और 8 सचिवों की नियुक्ति शामिल है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली इस नई टीम में, बेहद पिछड़े समुदाय से आने वाले पूर्व जहानाबाद सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा, गोपालगंज सांसद आलोक कुमार सुमन को पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इस पुनर्गठन का उद्देश्य पार्टी संगठन को मजबूत करना और नेतृत्व का विस्तार करना है। नीतीश कुमार ने इस साल 14 अप्रैल को बिहार के मुख्यमंत्री पद से

इस्तीफा दे दिया और राज्यसभा सांसद बन गए। राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद उन्होंने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। उच्च सदन में उनका प्रवेश व्यापक रूप से बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के अंत और राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मार्ग प्रशस्त करने के संकेत के रूप में देखा गया।

लखनऊ में जन आक्रोश पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सीएम योगी के साथ सड़क पर उतरी हजारों माहिलाएं

लखनऊ

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष के षड्यंत्र के विरोध में मंगलवार को लखनऊ में ह्यजन आक्रोश पदयात्राह्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य, पंचायती राज्यमंत्री ओमप्रकाश राजभर, राज्यसभा सांसद अरुण सिंह और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी समेत हजारों महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.

सभी ने एक सुर में कहा, "17 अप्रैल को संसद में यह बिल पास होने वाला था, लेकिन कांग्रेस और सपा ने न सिर्फ इसका विरोध किया, बल्कि मतदान में इसे गिराने के बाद तालियां बजाकर खुशी मनाई." उन्होंने इसे महिलाओं के अधिकारों का हनन बताया और कहा, "2027 के चुनाव में इन दलों को महिला आक्रोश का खामियाजा भुगतना पड़ेगा. केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने तो यहां तक कहा कि इंडी एलाइंस अब एंटी-वुमेन एलाइंस साबित हो चुका है."

बिल के विरोध का खामियाजा चुनाव में भुगतना पड़ेगा

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा, "आज प्रदेश की महिला शक्ति सड़कों पर है.

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की दुरभि संधि और संकीर्ण मानसिकता के कारण नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में रोकने का काम किया गया है. आज उत्तर प्रदेश की आक्रोशित बहनें सड़क पर निकलकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का बैंड बजाने का काम कर रही हैं. इन पार्टियों को आने वाले चुनावों में इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा."

उन्होंने कहा, "हम सब अच्छी तरह जानते हैं कि समाजवादी पार्टी की सरकार जब-जब प्रदेश में होती है, गुंडे-बदमाश खुलेआम बहन-बेटियों को परेशान करने का काम करते हैं. इसीलिए नारे लगते हैं, 'देख सपाई-बिटिया घबराई'. वक्त है कि सब एकजुट होकर सपा व कांग्रेस को महिला शक्ति का अहसास कराएं. मां दुर्गा, मां काली, मां सरस्वती बनकर विपक्षियों को सबक सिखाएं।

दिल्ली से बिना महरम 43 महिलाएं हज के लिए रवाना, उत्तर प्रदेश से हैं सबसे अधिक

नई दिल्ली

हज यात्रा शुरू हो चुकी है और इसके लिए व्यवस्था भी कर दी गी है ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो. इसी क्रम में मंगलवार (21 अप्रैल) दोपहर 3 बजकर10 मिनट पर सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी-5909 के जरिए 43 महिलाएं बिना महरम हज यात्रा के लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मदीना के लिए रवाना हुईं. यह पहल न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बन गई, बल्कि महिलाओं

की बढ़ती स्वतंत्रता को भी दशार्ती नजर आई.

इस दौरान टर्मिनल-3 पर मौके को खास बनाने के लिए दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां, कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी, उप-कार्यकारी अधिकारी मोहसिन अली और अन्य अधिकारियों ने सभी महिलाओं का स्वागत किया।

तेज रफ्तार स्कार्पियो की टक्कर से पलटा ई रिक्शा महिला की मौत, पति बच्चों सहित चार घायल

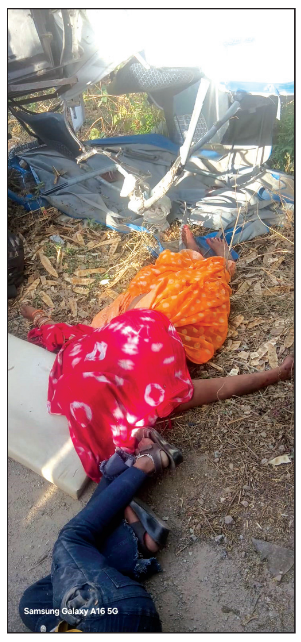

कोरांव थाना अंतर्गत सिरियारी गांव में हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

पसना। कोरांव थाना क्षेत्र के सिरियारी में गुरुवार दोपहर बाद एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में ई-रिक्शा में सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पति, दो बच्चों और एक अन्य युवती समेत चार लोग घायल हो गए।

यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे हुई। मेजा तहसील की ओर से सवारियां लेकर आ रहा बैटरी रिक्शा सिरियारी पहुंचा था, तभी विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा पलटकर गड्ढे में जा गिरा।

मृतक महिला की पहचान गंजरिया गांव निवासी 35 वर्षीय लालती देवी के रूप में हुई है। वह अपने पति राजेश गुप्ता और दो बच्चों के साथ मेजा थाना क्षेत्र के लक्षण का पूरा गांव में एक वैवाहिक समारोह से लौट रही थीं। हादसे में लालती देवी की 7 वर्षीय बेटी और 5 वर्षीय बेटा घायल हो गए, साथ ही राजेश गुप्ता को भी चोटें आईं। इसी रिक्शा में पसना निवासी 18 वर्षीय आंचल पुत्री कलेक्टर भी सवार थी, जो सिरियारी सिलाई सेंटर से घर लौट रही थी। उसके सिर में गंभीर चोट आई है।

हादसे के बाद आसपास के घरों से लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। स्कॉर्पियो में सवार चालक और अन्य लोगों ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन गाड़ी का अगला पहिया फटने के कारण वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद वे गाड़ी छोड़कर पैदल ही फरार हो गए।

मौके पर पहुंची कोरांव थाने की पुलिस ने एंबुलेंस और ऑटो की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। कोरांव थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक सेवालाल ने बताया कि हादसे में एक महिला की मौत हुई है और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पूरा पांडेय गांव में 27 को होगा सचल न्यायालय का आयोजन

मांडा। क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरा पांडेय में 27 अप्रैल को सचल ग्राम न्यायालय का आयोजन किया गया है, जिसमें विभिन्न मामलों की सुनवाई और निस्तारण होगा। जानकारी संतोष कुमार वर्मा न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मेजा ने दी कि ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 के अध्याय 11 के नियम 09 के तहत 27 अप्रैल दिन सोमवार को थाना मांडा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरा पांडेय में सचल न्यायालय का आयोजन कराया जाना सुनिश्चित किया गया है।

शौच को गई महिला से छेड़खानी मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। थाना क्षेत्र के एक गांव की एक महिला का आरोप है कि वह मंगलवार की रात लगभग नौ बजे शौच के लिए घर के पास खाली पडे खेत में गई थी। आरोप है कि तभी गांव का एक युवक आया और उहके साथ छेड़खानी करने लगा शोर मचाने पर परिजनों के आने पर किसी तरह उसकी इज्जत बची। पीड़िता ने मऊआइमा थाना में बुधवार को गांव के शिवपूजन उर्फ झुल्लर यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

घर में आग लगने से गृहस्ती का सामान जलकर राख

करछना। थाना क्षेत्र के कटका डेरा ग्राम सभा में आग की चिंगारी ने कई परिवार के आशियाना को जलाकर नष्ट कर दिया। बुधवार दोपहर के वक्त गांव निवासी लालजी का परिवार गर्मी का दिन होने के कारण घर के बाहर व कुछ सदस्य घर के अगले वाले हिस्से में बैठे हुए थे। उसी दरमियान अज्ञात कारणों से घर में आग लग गई। घर के ऊपरी हिस्से दुआ का गुबार उठता देख पास पड़ोस के लोगों ने अफरा तफरी मच गई। उपस्थित लोगों की शोर शराबा सुनकर जब तक ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हुई तब तक आग तीव्रधारण कर चुका था। उपस्थित लोगों ने फोन के माध्यम से डायल 112 पुलिस तथा फायर ब्रिगेड टीम को घटना की जानकारी देते हुए बाल्टी तथा समरसेबल के माध्यम से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तेज हवा होने के कारण आग बुझाए नहीं जा सका। जब तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची उसके पहले ही आग ने गुड्डी देवी पत्नी शमशेर निषाद,पवन कुमार, विनोद कुमार तथा विजय शंकर के घर को अपने जद में ले लिया। जहां देखते ही देखते सभी के घर में रखा गृहस्थी का सामान समेत जानवरों के लिए रखा भूसा, कपड़ा सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। मामले को लेकर ग्राम प्रधान पवन निषाद ने हल्का लेखपाल को जानकारी दे दिया है।

नवाचार एवं रचनात्मक प्रयासों के लिए डीआईओएस पीएन सिंह ने शिक्षिका कविता भारद्वाज की प्रशंसा

प्रयागराज। पी.एम. श्री कम्पोजिट विद्यालय ढोकरी, फूलपुर, प्रयागराज की सहायक अध्यापिका कविता भारद्वाज द्वारा कक्षा छः,सात एवं आठ के विद्यार्थियों के लिए स्वलिखित गणित पुस्तक "गणित की जादुई कहानियाँ" की एक प्रति ज़िला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पी. एन. सिंह को बुधवार को सादर भेंट की गई। इस अवसर पर डीआईओएस पीएन सिंह ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि कहानी पर आधारित शिक्षण पद्धति विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि एवं तार्किक सोच विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने शिक्षण में नवाचार एवं रचनात्मक प्रयासों के लिए सहायक अध्यापिका कविता भारद्वाज की प्रशंसा भी की। यह पुस्तक गणितीय अवधारणाओं को सरल, रोचक एवं कहानी के माध्यम से समझाने का एक अभिनव प्रयास है, जिससे विद्यार्थियों में गणित विषय के प्रति भय समाप्त होकर सीखने की उत्सुकता बढ़ेगी। विद्यालय परिवार एवं शिक्षकों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय एवं क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

कुशगढ़ धाम में नवनिर्मित मंदिर में राम दरबार की प्राण- प्रतिष्ठा

- गाजे -बाजे के साथ निकाली गई भव्य विशाल कलश व शोभा यात्रा
- लोगों की ओर से जगह-जगह पुष्प वर्षा करके यात्रा का किया गया स्वागत व अभिनंदन

करछना। प्राचीन कुशगढ़ धाम में कौवा बाजार निवासी समाजसेवी मिश्रीलाल केशरी के संयोजकत्व में नवनिर्मित भव्य मंदिर में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व बुधवार को सांय कालीन में भव्य कलश व विशाल शोभा यात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई । जिसमें क्षेत्रीय लोगों की भारी भीड़ रही। वही लोग डीजे के भक्ति गीतों के धुन पर थिरकते रहे। भक्त लोग पीले परिधान में ध्वज-पताका लिए जय श्री राम के उद्घोष के साथ व महिलाएं पीले परिधान में सिर पर कलश रखे मांगलिक गीतों के साथ करछना-कोहडार घाट राजमार्ग पर व के बी डी मार्ग पर भ्रमण किया। यात्रा कुशगढ धाम से निकलकर दिव्यदेश बरांव में राघवेंद्र सरकार के मंदिर पर पहुंची। जिसमें राम दरबार की प्रतिमा, राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान की मूर्ति अलग-अलग रथो पर विराजमान रही। वही दर्जन भर से अधिक साधु- संत, महात्मा लोग अलग-अलग रथो पर विराजमान रहे। जो आकर्षण का केंद्र बना रहा । वहीं विशाल रथ व कलश यात्रा का जगह-जगह स्वागत व अभिनंदन किया गया। कौवा बाजार में केशरी परिवार सहित व्यापार मंडल की ओर से पुष्प वर्षा करके शोभा यात्रा का स्वागत व अभिनंदन किया गया। वही यात्रा निदौरी, मधूका पूरा होते हुए कुशगढ धाम में पहुंची। जिसमें मौजूद संतों में जगदगुरु रामानुजाचार्य, स्वामी नारायणाचार्य शांडिल जी महाराज ,स्वामी चंद देव जी महाराज श्री सच्चा बाबा आश्रम अरैल, प्रतिष्ठान पुरी झूंसी से परशुराम अखाड़ा के संस्थापक स्वामी सुदर्शनाचार्य जी महाराज , द्वादश माधव में से एक चक्र माधव अरैल के महंत स्वामी अवधेश दास जी महाराज एवं प्रतिष्ठान पुरी झूंसी में स्थित 54 फुट हनुमान जी के महंत भागवत शिरोमणि नारायणाचार्य जी ने संयुक्त रूप से भक्त लोगों को उपदेशित करते हुए बताया कि वैदिक कार्य के पूर्व यह यात्रा निकाली जाती है । और सभी देवी -देवताओं सहित पितरो को आमंत्रित किया जाता है । सभी संतो ने संयुक्त रूप से बताया कि इस यात्रा में जो नर- नारी पैदल चलकर शिरकत करते हैं। उन्हें कई तीर्थो के बराबर पुण्य फल की प्राप्ति होती है । यात्रा के आयोजक मिश्रीलाल केशरी व संयोजक जनसेवक धर्म प्रकाश केशरी, ओमप्रका शकेशरी ,जयप्रकाश केशरी , कुलदीप केशरी, संदीप केशरी की ओर से यात्रा में शामिल सभी भक्त लोगों के प्रति आभार जताया गया। यात्रा में शामिल प्रमुख लोगों में जिला अध्यक्ष यमुना पार विश्व हिंदू परिषद नित्यानंद उपाध्याय,पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा यमुनापार प्रयागराज विभव नाथ भारती, निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष भाजपा यमुनापार प्रयागराज संतोष त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद शिव द,त्त मिश्रा, राजमणि पटेल, शम्भू खरे , सर्वेश भारती, शकुंतला देवी, छेदीलाल केशरी,विजय देवी ,चिरौजी, लाल केशरी , श्री कृष्णा मिश्र, कमलेश पांडेय्, विकास सिंह, अनिल मिश्र, संजय कुमार केशरी , दुर्गेश दुबे, कमलेश दुबे, उमेश शुक्ल, राजेंद्र तिवारी दुकान जी,आरएलडी दुबे ,सुजीत केसरवानी ,सुमित केसरवानी, ईशु केसरवानी , राजेश्वरशुक्ल, सक्षम केसरवानी सहित आदि भक्त लोग साथ में रहे।

पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता में दिखी प्रतिभा

अखंड भारत संदेश

सहसों। भारद्वाज गुरुकुलम संस्थान, रुदापुर में बुधवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोगों को प्रेरित करने का सराहनीय प्रयास किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के अध्यक्ष विनय उपाध्याय ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक संसाधनों का तेजी से क्षय हो रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम सभी मिलकर पृथ्वी को सुरक्षित रखने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करें। उन्होंने हवा, जल और धरती के संरक्षण के महत्व पर विशेष जोर दिया।

प्रतियोगिता में बच्चों ने आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न संदेश प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बालिकाओं की विशेष भागीदारी देखने को मिली, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। पोस्टर प्रतियोगिता में ज्योति केसरवानी ने प्रथम, हिफ्जा अंसारी ने द्वितीय तथा जान्हवी श्रीवास्तव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में आस्था गौड़ प्रथम, जैनब अंसारी द्वितीय, सृष्टि यादव तृतीय एवं अंशिका जायसवाल को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

दिव्यांगजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य पर राज्य स्तरीय पुरस्कार, 3 दिसंबर तक आमंत्रित आवेदन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। दिव्यांगजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए राज्य सरकार ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये पुरस्कार 3 दिसंबर 2026 को ह्यविश्व दिव्यांग दिवसह्न के अवसर पर प्रदान किए जाएंगे। उप निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग अभय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विभिन्न श्रेणियों में राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें दिव्यांग कर्मचारी और स्वनियोजित दिव्यांगजन, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता, प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी, दिव्यांगजन के लिए कार्यरत उत्कृष्ट व्यक्ति और संस्था, प्रेरणास्रोत, तथा नवाचार या उत्पाद विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं। इसके अलावा दिव्यांगजन के लिए बाधामुक्त वातावरण तैयार करने, पुनर्वास सेवाएं देने वाले सर्वश्रेष्ठ जिले, सृजनशील दिव्यांग वयस्क एवं बालक-बालिका, ब्रेल प्रेस, अनुकूल वेबसाइट और उत्कृष्ट दिव्यांग खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, दिव्यांगजन के सशक्तीकरण के लिए कार्यरत अधिकारी और कर्मचारियों को भी इस पुरस्कार योजना में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के तहत विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति और संस्थाएं निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र तीन प्रतियों में भरकर संबंधित जनपद के जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय में जल्द जमा करें।

अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी अपने जिले के दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर सकते हैं।

मांडा इंस्पेक्टर अनिल वर्मा ड्यूटी पर लौटे

मांडा। यमुनापार क्षेत्र के मांडा इंस्पेक्टर अनिल कुमार वर्मा को विगत दिनों हार्ट अटैक आने से हालत गम्भीर हो गई। इलाज के बाद स्वस्थ होकर 21 अप्रैल को मांडा थाने में अपनी ड्यूटी पर लौट आए हैं। उन्होंने वापस आकर कार्यभार संभाला। इंस्पेक्टर वर्मा को अचानक हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उनकी हालत गंभीर हो गई थी। उनका इलाज एम्स अस्पताल में चला, जहां वे पूरी तरह स्वस्थ हुए। इंस्पेक्टर वर्मा के ड्यूटी पर लौटने की सूचना मिलते ही मांडा क्षेत्र के कई समाजसेवियों ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने इंस्पेक्टर का कुशलक्षेम जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुलाकात करने वालों में विनय कुमार त्रिपाठी, सत्य प्रकाश और विजय सहित अन्य लोग शामिल थे। इन सभी ने मांडा थाने पहुंचकर इंस्पेक्टर अनिल कुमार वर्मा से भेंट की।

"कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं॥"

जंघई। अनुवां गांव निवासी पंडित सूर्य नारायण पांडेय एवं सत्य नारायण पांडेय द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी श्रीरामचरित मानस पाठ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों द्वारा प्रभु श्रीराम की महिमा का बखान किया गया। श्री रामचरित मानस का अखंड पाठ अनंत काल से होता चला आ रहा है परिवार, समाज की मंगल कामना हेतु किया जाने वाला यह पाठ अत्यंत ही शुभ फलदायक है। जीवन में किसी भी शुभ शुरूवात के लिए लोग अखंड रामायण का पाठ करवाते हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के गुणों का बखान करने वाली श्रीराम चरित मानस अखंड पाठ बहुत ही शुभकारी एवं मंगलकारी होता है। रामायण के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम गायक विकास पाठक, निशिकांत दुबे, पवन तिवारी द्वारा प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जितेंद्र पांडेय बबलू, संतोष पांडेय, राजेंद्र पांडेय, धीरज पांडेय, विनोद पांडेय, गामा पांडेय, अशोक पांडेय, लवकुश तिवारी, कुंजबिहारी पांडेय, शैलेश तिवारी, मुकेश मिश्रा, प्रमोद उपाध्याय, आशुतोष पांडेय, संजय पांडेय, ब्रह्मजीत दुबे, आनंद तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

'अब नहीं संभले तो देर हो जाएगी' : पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने जगाई चेतना, कैंब्रिज स्कूल में गूंजा पर्यावरण बचाने का संदेश

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। पंखा टोला स्थित कैंब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज में विश्व पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग और कलरिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी एवं प्रशासनिक अधिकारी बालेंद्र पांडेय ने छात्रों को पृथ्वी दिवस के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों को समझाया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह हमारी दैनिक जिम्मेदारी है। सभी छात्रों ने पृथ्वी को सुरक्षित और सुंदर बनाने का संकल्प लिया।कक्षा पांच और छह के विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेते हुए घटती हरियाली, जल संकट, पिघलते ग्लेशियर और बढ़ते तापमान जैसे गंभीर विषयों को अपनी कलाकृतियों में उकेरा। वहीं कक्षा सात और आठ के छात्रों ने स्लोगन राइटिंग के माध्यम से प्रभावी संदेश प्रस्तुत किए। बच्चों ने अपने प्रोजेक्ट्स और चार्ट के जरिए बताया कि यदि पेड़-पौधों का संरक्षण किया जाए तो वन्यजीवों का अस्तित्व भी सुरक्षित रहेगा।कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों ने एक स्वर में पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प दोहराया। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन के माध्यम से समाज को जागरूक करने का संदेश दिया।इस मौके पर बालेंद्र पांडेय, मनी शंकर दुबे, सौरभ प्रकाश, इमरान अहमद, धर्मराज कुशवाहा, पंकज मिश्रा, मनोज तिवारी, पंकज श्रीवास्तव, राजेश गोस्वामी, दीपक केशरवानी, बृजेश मिश्रा, रीतु सुसारी, रेखा सिंह, रीना गोस्वामी, सिम्मी गुप्ता, ऊषा सिंह, प्रीति सेन, निहारिका सेन, अंजु गुप्ता, सीमा सिंह, पूनम द्विवेदी, कोमल त्रिपाठी, रूचि शुक्ला सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

कार्यालय ग्राम पंचायत सकाढ़ा बिकास खंड मूरतगंज जनपद कौशांबी

वित्तीय वर्ष 2026 2027

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026 2027 में ग्राम पंचायत सकाढ़ा बिकास खंड मूरतगंज जनपद कौशांबी में कराए जाने वाले विभिन्न कार्यों जी रामजी योजना राज्य वित्त योजना केंद्र वित्त योजना नाली सड़क मरम्मत निर्माण इंटरलॉकिंग मरम्मत निर्माण हैंड पंप मरम्मत हैंडपंप रिवोर सामुदायिक शौचालय मरम्मत पंचायत भवन मरम्मत सरकारी स्कूल मरम्मत विद्यालय पंचायत भवन में विद्युतीकरण आदि कार्य हेतु पंजीकृत फर्मों से टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं टेंडर फॉर्म कार्यालय दिवस पर ग्राम पंचायत से प्राप्त किए जा सकते हैं 23 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक टेंडर फॉर्म ग्राम पंचायत में जमा किए जाएंगे 02 मई 2026 को 12:00 बजे दिन में उपस्थित फर्मों के समक्ष सार्वजनिक तरीके से टेंडर खोले जाएंगे निविदा स्वीकृत अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

शाकिरा परवीन	**अनिल कुमार यादव**
ग्राम प्रधान	**पंचायत सचिव**
ग्राम पंचायत सकाढ़ा	**ग्राम पंचायत सकाढ़ा**
वि0 खं0 मूरतगंज जनपद कौशांबी	**वि0 खं0 मूरतगंज जनपद कौशांबी**

प्रयागराज में प्रतिभा सम्मान समारोह में उपमुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों को किया सम्मानित, युवाओं को दिया सेवा और समर्पण का संदेश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को प्रयागराज में आयोजित एक प्रतिभा सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग 2024 में चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन हॉल में संस्कृति आईएएस संस्थान द्वारा आयोजित किया गया।समारोह में उपमुख्यमंत्री ने चयनित उम्मीदवारों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रशासनिक सेवा में चयन केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का महत्वपूर्ण अवसर है।उन्होंने युवाओं को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की

प्रेरणा देते हुए कहा कि युवा देश और प्रदेश के विकास की मजबूत नींव हैं। अपने परिश्रम और प्रतिभा के बल पर वे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।प्रयागराज की विशेषता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संगम नगरी ज्ञान, साधना और संघर्ष की प्रेरणा देती है। यहां देशभर से आने वाले प्रतियोगी छात्र कठिन परिस्थितियों में भी सफलता हासिल करते हैं, जो अनुकरणीय है। उपमुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को रेखांकित करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने परिवार, गांव और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस मौके पर संस्कृति आईएएस संस्थान ने ह्यफंडामेंटल कोर्सह्न की शुरूआत की, जिसे मात्र एक रुपये की टोकन राशि पर उपलब्ध कराया गया है। इस पहल की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगा।

संस्थान के निदेशक अखिल मूर्ति ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि, शिक्षक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सम्मानित अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थान के सहयोग को दिया।

गंगा में डूबे मजदूर का सात घंटे बाद मिला शव

गंगा घाट के किनारे ठेकेदार ने संकेतक या बैरिकेटिंग लगाया होता, तो शायद यह घटना न होती

अखंड भारत संदेश

मांडा। नलकूप बाढ़ प्रखंड द्वारा गंगा घाट पर कराये जा रहे पत्थर पीचिंग में एक दर्जन साथियों के साथ मजदूरी के लिए आये युवक की गंगा में डूबने के सात घंटे बाद स्थानीय गोताखोरों ने शव निकाला। शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेज दिया। खीरी जनपद के पहाड़ियापुर, जंगल संकल्पा गांव तथा थाना अहिरौरा के निवासी (37) वर्षीय अवधराम पुत्र तेजई अपने एक दर्जन साथियों के साथ मजदूरी के लिए बुधवार भोर मांडा के डेंगुरपुर गंगा घाट पर आये। नलकूप बाढ़ प्रखंड द्वारा गंगा घाट पर कार्यदाई संस्था भंवर इंटरप्राइजेज के संतोष सिंह निवासी सराय ख्वाजा जौनपुर व ठेकेदार सत्य प्रकाश सिंह के बुलावे पर सभी मजदूर खीरी

जनपद से आये थे।

इन दिनों गंगा घाट पर कटान रोकने के लिए पत्थर पीचिंग का काम चल रहा है। ठेकेदार ने डेंगुरपुर गंगा घाट के बगल एक कमरे में सभी मजदूरों को रहने के लिए कहा। कमरे से दस मीटर दूर लगभग पचास फीट नीचे बेहद गहराई में गंगा का तेज बहाव है। कमरे और गंगा घाट के बीच कोई संकेतक या बैरिकेडिंग न लगे होने से सुबह सात बजे कमरे से बाहर निकले अवध राम गंगा के गहरे पानी में गिर गये। साथी मजदूरों की चीख पुकार पर तमाम लोग इकट्ठे हुए और घटना की जानकारी मांडा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मांडा इंस्पेक्टर अनिल कुमार वर्मा ने पुलिस दलबल के साथ गंगा घाट पर पहुंचे। वही स्थानीय बादपुर के गोताखोर अमित निषाद व कलेंद्र निषाद तथा महेवा कला गांव निवासी शिव शंकर निषाद ने बुधवार को काफी प्रयास के बाद गंगा के गहरे पानी से मजदूर अवध राम को घटना के सात घंटे बाद दोपहर लगभग एक बजे बाहर निकाला। लेकिन बाहर निकलने के पहले ही मजदूर अवधराम की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर मजदूर के परिजनों को घटना की जानकारी देकर पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए यसआरयन प्रयागराज भेजा। साथी मजदूरों ने बताया कि अवधराम को दो बेटे और दो बेटियां हैं। पत्नी रीता देवी भी बीमार चल रही है। घटना के लिए मजदूरों ने ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि गंगा घाट के किनारे ठेकेदार ने संकेतक या बैरिकेटिंग लगाया होता, तो शायद यह घटना न होती ।

इफ्को प्लांट का डीएम ने किया निरीक्षण सुरक्षा और पर्यावरण मानकों पर दिया जोर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को फूलपुर स्थित इफ्को यूरिया प्लांट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यूरिया, अमोनिया और नैनो यूरिया उत्पादन इकाइयों का भ्रमण कर उत्पादन क्षमता, सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों से यूरिया और नैनो यूरिया के उत्पादन व मांग की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से नैनो यूरिया की बढ़ती मांग और उसके अनुरूप भंडारण की स्थिति के बारे में पूछताछ की। साथ ही, किसानों के बीच इसके लाभों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने फायर सेफ्टी, इमरजेंसी शटडाउन और लीक डिटेक्शन सिस्टम की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि श्रमिकों को नियमित रूप से सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए और उनके लिए गैस मास्क जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी डीएम ने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने ईटीपी प्लांट का निरीक्षण कर कहा कि उत्सर्जन मानक सीमा के भीतर रहे और जलशोधन के बाद ही अपशिष्ट का निस्तारण किया जाए। साथ ही, प्लांट परिसर में ग्रीन बेल्ट विकसित करने के लिए व्यापक वृक्षारोपण कराने को कहा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि प्लांट से निकलने वाले किसी भी प्रकार के ठोस या तरल अपशिष्ट से स्थानीय लोगों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा रियल टाइम एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

श्रमिकों की सुविधाओं पर ध्यान देते हुए डीएम ने कैंटीन, प्राथमिक उपचार केंद्र और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। इस मौके पर उपजिलाधिकारी फूलपुर जूही प्रसाद, तहसीलदार सुरेश चंद्र और इफ्को के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सिरसा रोड पर अवैध रूप से की जा रही शराब की बिक्री

अखंड भारत संदेश

मेजा, प्रयागराज। मेजारोड के सिरसा रोड पर अवैध रूप से शराब बिक्री का मामला सामने आया है, जहां नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुकान का शटर बंद रखकर अंदर से शराब की भरी बोतलें बेची जा रही हैं, जिससे प्रशासनिक आदेशों की धज्जियां उड़ रही हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात 10:00 के बाद सरकारी रेट से महंगी मिलती है शराब।

आरोप है कि रात 10 बजे के बाद भी यहां अंग्रेजी शराब की बिक्री धड़ल्ले से जारी रहती है, जबकि निर्धारित समय के बाद बिक्री पर प्रतिबंध है। इतना ही नहीं, दिन के समय दुकान के बाहर ही लोग बैठकर शराब का सेवन करते हैं, जिससे आसपास का माहौल खराब हो रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह दुकान एक मंदिर के सामने संचालित हो रही है, जिससे धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं। आए दिन वहां से गुजरने वाले लोगों और शराब पीने वालों के बीच कहासुनी और विवाद की स्थिति बन जाती है।

लोगों ने कई बार इसका विरोध किया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आरोप यह भी है कि जैसे ही प्रशासन के आने की भनक लगती है, संचालक सतर्क हो जाते हैं और गतिविधियां बंद कर देते हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनी रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर सख्ती, 37 केंद्रों पर तीन दिन दो पालियों में होगी परीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की प्रवेश से पहले सघन तलाशी ली जाए और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या प्रतिबंधित सामग्री को अंदर ले जाने पर पूरी तरह रोक रहे। केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ न जुटने देने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस बल को सतर्क रहने को कहा गया है।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि नकल कराने वाले गिरोहों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को कंट्रोल रूम से लगातार संपर्क में रहने और हर गतिविधि की सूचना देने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल को जनपद के 37 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित की जाएगी।

उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, नकलविहीन और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज में बसपा सुप्रीमो ने किया बड़ा फेरबदल टीएन जैसल को सौंपी जिलाध्यक्ष की कमान

शीर्ष नेतृत्व द्वारा नई और बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने जताया आभार कहा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में पूरी निष्ठा ईमानदारी और पारदर्शिता के संगठन और पार्टी को मजबूत करना होगी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

अखंड भारत संदेश

मेजा। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कु.मायावती ने प्रयागराज मंडल में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए चिंतामणि वर्मा की जगह टीएन जैसल को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। टीएन जैसल मेजा क्षेत्र के समहन गांव के निवासी हैं।

पार्टी के इस फैसले से स्थानीय कार्यकताओं में उत्साह है। उल्लेखनीय है कि बसपा सुप्रीमो के फैसले पर पदाधिकारियों का कहना है कि नए जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन और पार्टी को जबरदस्त मजबूती मिलेगी साथ ही क्षेत्र में पार्टी की जमीनी पकड़ भी और सशक्त होगी। गौरतलब

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष टीएन जैसल

है कि पार्टी द्वारा बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष टीएन जैसल ने कहा कि मुझे गर्व है कि शीर्ष नेतृत्व ने हमें इस दायित्व के योग्य समझा और जो जिम्मेदारी सौंपी है,उसे पूरी निष्ठा,ईमानदारी तथा पारदर्शिता के साथ निभाते हुए संगठन और पार्टी को मजबूती प्रदान करना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए बसपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने साथ साथ आगामी चुनाव के मद्देनजर कार्यकताओं के साथ मिलकर पूरी ऊर्जा और जोश से मजबूत करने का काम किया जाएगा। श्री जैसल नई और बड़ी जिम्मेदारी मिलते ही एक्शन में दिखे और आनन फानन कार्यकताओं के साथ बैठक कर एकजुट होने और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि वंचित और शोषित वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

कथा के दूसरे दिन बाबा बागेश्वर ने संगम में लगाई डुबकी, श्री बड़े हनुमानजी का लिया आशीर्वाद

नैनी। नैनी अरैल क्षेत्र में आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तीन दिवसीय हनुमंत कथा चल रही है। कथा के दूसरे दिन बाबा बागेश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बुधवार को संगम में डुबकी लगाई। इसके बाद श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। इस दौरान जयश्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे गूंजते रहे। बाबा बागेश्वर धाम के महंत आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तीन दिवसीय हनुमंत कथा संगम के किनारे नैनी अरैल क्षेत्र में चल रही है। दूसरे दिन बुधवार को धीरेंद्र कृष्ण बजरंग बली का दर्शन करने के लिए श्री बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे। कड़ी सुक्षा व्यवस्था बीच उन्होंने संगम में डुबकी लगाई और विधि-विधान से मां गंगा का पूजन किया। इसके बाद दुग्ध, नैवेद्य का अर्पण कर मां गंगा की आरती उतारी। इस बाद मंदिर पहुंचकर श्री बड़े हनुमानजी का दर्शन किया। उनको

पूजन महंत बलवीर गिरि ने कराया। इसके बाद उन्होंने अक्षयवट का भी दर्शन किया। नैनी अरैल क्षेत्र में चल रही बाबा बागेश्वर धाम की हनुमंत कथा में दूसरे दिन बुधवार को कई नेताओं और साधु-संतों ने हिस्सा लिया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया, परमार्थ आश्रम निकेतन स्वामी चिदानंद मुनि, पूर्व सांसद दिनेश लाल निरहुआ, दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, महाभारत सीरियल में दुर्योधन का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर आदि पहुंचे। दूसरे दिन की कथा में आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अशोक वाटिका और रावण दरबार का वर्णन किया। कहा कि जीवन से व्यर्थ को गायब करतो अर्थ निकल जाएगा। युवा और छात्र निंदा, पराई स्त्री से बचें तो जीवन सफल हो जाएगा। नीच और बुराई करने वालों की संगत से बचें। तीर्थ जाओ तो ज्ञान, स्नान और दान करो। दान जरूरी नहीं की धन का हो। गलत विचारों का भी त्याग और दान करना चाहिए। कीचड़ और लीचड़ से बचें। इनकी संगत से जीवन खराब हो जाता है। कहा कि प्रयागराज के पंडा की महिमा बड़ी है। इनके पास कई पुश्तों की कुंडली है। यहां देखने पर पूर्वजों का पता चल जाएगा। द्वादश माधव, श्री बड़े हनुमानजी और अक्षयवट की महिमा का भी वर्णन किया।

पृथ्वी दिवस पर विधिक सेवा प्राधिकरण के जागरूकता कार्यक्रम, छात्राओं व बंदियों को दी जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पृथ्वी दिवस के अवसर पर बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जनपद में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोगों को विधिक जानकारी देना रहा।

द्वारका प्रसाद गर्ल्स इंटर कॉलेज में आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर की अध्यक्षता प्राधिकरण की सचिव प्रदीप्ति सिंह ने की। इस दौरान कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. रंजना पांडेय ने छात्राओं को पृथ्वी के महत्व और उसकी विविधता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सचिव प्रदीप्ति सिंह ने बताया कि पृथ्वी दिवस वर्ष 1970 से मनाया जा रहा है और हर वर्ष एक विशेष थीम के साथ इसे मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम ह्यहमारी शक्ति, हमारा ग्रहह्न है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में मध्यस्थ देवेश शुक्ला, पराविधिक स्वयंसेवक अंजली यादव और आशीष कुमार ने भी छात्राओं को विधिक अधिकारों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर रेनू सिंह सहित अन्य शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

इसके अलावा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (बालिका) में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिका को प्रथम स्थान दिया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया।

जिला कारागार नैनी में भी कार्यक्रम आयोजित कर बंदियों और पराविधिक स्वयंसेवकों को विधिक जानकारी देने के साथ पृथ्वी दिवस के महत्व से अवगत कराया गया। इस दौरान कारागार प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पृथ्वी हमारी जीवन दायिनी है इसकी सुरक्षा है हम सभी का अहम दायित्व : स्वतंत्र मिश्रा

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में विविध कार्यक्रम आयोजित कर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पृथ्वी दिवस, पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

मेजा। दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में बुधवार को पृथ्वी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए गए जिनका उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें छात्रों ने पृथ्वी को बचाने का संकल्प लिया। इसके बाद निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने सेव अर्थ सेव फ्यूचर जैसे संदेशों के

माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया। विद्यालय की प्रबंधक डॉ. श्रीमती स्वतंत्र मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि पृथ्वी हमारी जीवन दायिनी है और इसकी सुरक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष मालवीय ने छात्रों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर पौधे लगाए और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस मौके पर स्कूल के उप प्रधानाचार्य सृजन मिश्रा और शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावा बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

सीडीओ ने की बैंक समन्वित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रगति की समीक्षा

सीडीओ ने सीडी रेशियो सुधारने पर दिया जोर, केसीसी में कम प्रगति वाले बैंकों को नोटिस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत बैंक समन्वित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीडी रेशियो एवं प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई, जिन बैंकों का ऋण-जमा अनुपात 40 प्रतिशत से कम पाया गया, उन्हें वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत करने तथा गुणवत्तापूर्ण ऋण वितरण के माध्यम से सीडी रेशियो को न्यूनतम 40 प्रतिशत तक लाने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने विशेष रूप से छोटे ऋणों के अधिक संख्या में वितरण पर बल दिया। साथ ही

सीएम युवा उद्यमी, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सीसीएल, पीएम स्वनिधि, मत्स्य पालन, किसान क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं के अंतर्गत लंबित पत्रावलियों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपेक्षित प्रगति न होने के कारण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक एवं बैंक ऑफ इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान सीएम युवा उद्यमी योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त उद्योग द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित लक्ष्य 1800 के सापेक्ष कुल 1829 ऋण पत्रावलियों में ऋण वितरण कर लक्ष्य प्राप्त किया गया है। इस उपलब्धि पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी बैंकर्स का उत्साहवर्धन किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक जिला समन्वयकों एवं शाखा प्रबंधकों को जिलाधिकारी एवं सीडीओ द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बैंक अधिकारियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में अधिक उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। अन्त में अग्रणी जिला प्रबंधक नीरज सिंह द्वारा सभी बैंकों की ओर से मुख्य विकास अधिकारी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा आश्वासन दिया गया कि आगामी वित्तीय वर्ष में बैंक शासन की अपेक्षाओं के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन करेंगे। बैठक में पीओ नेडा सन्तोष कुमार सिंह, पीओ डूडा सीमा भारती सहित डीडीएम नाबार्ड, निदेशक आरसेटी, एनआरएलएम, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र सहित सभी बैंकों के अधिकारी एवं जिला समन्वयकों ने प्रतिभाग किया।

मांगों को लेकर रोजगार सेवकों ने जताया विरोध

अखंड भारत संदेश

लालगंज। मांगों को लेकर बुधवार को रोजगार सेवकों ने सांकेतिक हड़ताल करके विरोध जताया। उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ के आवाहन पर विकासखण्ड रामपुर संग्रामगढ़ में रोजगार सेवकों ने बकाया मानदेय, एचआर पालिसी, मानदेय बढ़ोत्तरी तथा बीस वर्षो से कार्यरत मनरेगा कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर सांकेतिक हड़ताल के जरिए विरोध जताया। रोजगार सेवको ने कहा कि मांगों पर शासन द्वारा विचार नहीं किया गया तो आगामी छब्बीस व सत्ताईस अप्रैल को प्रत्येक ब्लाक कार्यालय पर पोस्टकार्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा जाएगा। इसी क्रम में अटठाईस अप्रैल को सांसदों को ज्ञापन व एक मई को जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। रोजगार सेवको ने मांगों को लेकर खण्ड विकास अधिकारी विजयशंकर मणि तिवारी को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर एपीओ राजेश कुमार, धर्मेन्द्र, शिवकुमार यादव, आशुतोष मिश्र, रमेश शुक्ल, सपना मिश्रा, नीलम, राकेश, संजय, संदीप, धीरज, अखिलेश आदि रहे।

न्यूज झरोखा

आबकारी टीम ने पकड़ी शराब, तीन पर मुकदमा

प्रतापगढ़। आबकारी पुलिस ने छापेमारी करके बुधवार को शराब व लहन की बरामदगी की है। आबकारी निरीक्षक लालगंज ने आबकारी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र के तारापुर, भगतपुर के छः स्थानों पर सुबह छापेमारी की। इस दौरान कुल दो कुन्तल लहन और बीस लीटर अवैध कच्ची शराब की बरामदगी की गयी। आबकारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

निशुल्क नेत्र शिविर में बांटी गयी दवाईयां, हुआ परीक्षण

प्रतापगढ़। बाबागंज विकासखण्ड क्षेत्र के प्रीतमपुर अठैसा में बुधवार को निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन हुआ। लालगंज के आर्यावर्त आई हास्पिटल के बैनरतले आयोजित शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डा0 धर्मेन्द्र सिंह ने पचपन रोगियों की आंखों का परीक्षण किया। मरीजों को निशुल्क चश्मा तथा निशुल्क दवाएं भी प्रदान की गयी। अस्पताल प्रशासन द्वारा दस मरीजों को मोतियाबिंद आपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। शिविर में डा0 धर्मेन्द्र के साथ डा0 हिमांशु, गौरव भी परीक्षण में सहयोग की भूमिका में दिखे। शिविर का संयोजन प्रधान राजेश यादव द्वारा किया गया।

मारपीट की घटना को लेकर दर्ज हुआ केस

प्रतापगढ़। रंजिश में हुई मारपीट को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे फत्ते सिंह गांव की रंजना यादव पत्नी राजकुमार यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती बीस अप्रैल को दोपहर करीब बारह बजे वह अपने घर पर पुरानी बाउण्ड्री की मरम्मत करा रही थी। आरोप है कि इसी बीच पडोस के गोपीनाथ अपनी पुत्री राजेश्वरी, आशा पुत्री गोपाल व सुन्दरा पत्नी गोपाल एकराय होकर वहां पहुंचे और रंजिशन लाठी डंडे व ईट पत्थर से मारने लगे। इससे पीड़िता के सिर पर चोटें आ गयीं। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

हवाई फायरिंग कांड का खुलासा, पिस्टल-कारतूस संग आरोपी को दबोचा

पट्टी। किराना गुमटी पर हवाई फायरिंग, तोड़फोड़ और रंगदारी मांगने के मामले में पट्टी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी गब्बर उर्फ दिव्यांशु दुबे को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 7.65 बोर की पिस्टल, मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ा दी हैं। आरोपी पर पहले से भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस फरार अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

जमीन विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, दो दर्जन से अधिक घायल, मुकदमा दर्ज

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के रायगढ़ गांव में मंगलवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। इस दौरान जमकर लाठी-डंडे, ईंट-पत्थर चले, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट में दोनों पक्षों से दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। मामले में दरोगा शुभम सिंह की तहरीर पर पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एक पक्ष से मोहम्मद कैफ, सबीना, मुजीब, मजीदा, असलम, सूबेदार, हिना, नाजिया बानो समेत 12-13 अज्ञात लोगों को नामजद किया गया है। वहीं दूसरे पक्ष से बशारत अली, अरमान, शाह आलम उर्फ बुदुन्नी, मोहम्मद लुकमान, शहनाज, अली हुसैन, मोहम्मद हुसैन, सहनूर, मैसर सहित 4-5 अज्ञात के खिलाफ भी मारपीट, गाली-गलौज और धमकी जैसी धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

ऐलाही पुलिया के पास युवक गिरफ्तार 3 जिंदा देशी बम बरामद

आसपुर देवसरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आरोपी भेजा गया जेल

पट्टी। पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना आसपुर देवसरा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ऐलाही पुलिया के पास से एक युवक को 3 जिंदा अवैध देशी बम के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से बरामद विस्फोटक सामग्री को देखकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी आलोक कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पट्टी मनोज कुमार सिंह रघुवंशी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी आसपुर देवसरा राकेश कुमार चैरसिया के नेतृत्व में पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी।इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के ऐलाही पुलिया के पास ग्राम ऐलाही से प्रेमचन्द्र गौतम पुत्र प्यारेलाल गौतम निवासी पीथापुर, थाना आसपुर देवसरा, उम्र करीब 24 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 3 अदद जिंदा देशी बम बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि गांव में कई लोगों से उसकी दुश्मनी चल रही है, इसलिए वह अपनी सुरक्षा के लिए अवैध देशी बम साथ लेकर चलता था।

उसने यह भी स्वीकार किया कि यदि कोई उसे पकड़ने की कोशिश करता तो वह बम का इस्तेमाल कर सकता था। आरोपी ने यह भी बताया कि एक दिन पहले पुलिस से कहासुनी के दौरान भी उसके पास यही बम थे, लेकिन वह भागने में सफल हो गया था।बरामदगी के आधार पर थाना आसपुर देवसरा में मु0अ0सं0 90/26 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई की गई है। आरोपी के खिलाफ पहले से भी एक अन्य आपराधिक मुकदमा दर्ज है। पुलिस टीम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

अधिवक्ता को किया लहूलुहान साथियों ने जताया आक्रोश

अखंड भारत संदेश

लालगंज। महुआ बिनने के विवाद को लेकर अधिवक्ता पर हमला कर घायल कर दिया गया। घायल अधिवक्ता का इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया गया। उधर साथी पर हमले की जानकारी होने पर अधिवक्ताओं ने ज्ञापन के जरिए आक्रोश जताया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के तारापुर गांव निवासी जयप्रकाश यादव पुत्र रामशंकर यादव लालगंज तहसील में अधिवक्ता हैं। पीड़ित अधिवक्ता के अनुसार बुधवार की सुबह उन्होनें अपनी मां से घर के पास स्थित महुआ के पेड़ से महुआ बिनने की बात कही। पीड़िता का आरोप है कि इसी बीच पड़ोस के आधा दर्जन से अधिक लोग आ धमके और महुआ बिनने का विरोध करने लगे। मना करने पर आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए अधिवक्ता पर ईट पत्थर से हमला बोलकर

घायल कर दिया। घायल अधिवक्ता को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया गया। इधर अस्पताल पहुंचकर अधिवक्ता विकास मिश्र आदि ने साथी का हाल जाना। वहीं संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर साथी पर हुए हमले व पुलिस द्वारा अभी तक मुकदमा पंजीकृत न करने तथा आरोपियों पर कार्रवाई न करने को लेकर विरोध जताया। एसओ सांगीपुर गौरव त्रिवेदी का कहना है कि मामले की जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इस मौके पर महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय, मो0 इरफान, संतोष पाण्डेय, विनय शुक्ल, सिंटू मिश्र, सुमित त्रिपाठी आदि रहे।

सड़क पार कर रही महिला को बाइक ने मारी टक्कर

पट्टी। तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही बाइकें अब आम लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही हैं। बुधवार दोपहर अमरपुर बाजार में एक दर्दनाक हादसे में सड़क पार कर रही महिला को अज्ञात बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।घटना पट्टी कोतवाली क्षेत्र के नदी गांव की है, जहां की निवासी उर्मिला दुबे पत्नी रामलाल दुबे किसी जरूरी काम से आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के अमरपुर बाजार गई हुई थीं। बुधवार दोपहर करीब 1 बजे जब वह सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया।स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।डॉक्टर पंकज कुमार ने बताया कि महिला के सिर में गंभीर चोट आई है, जिसके चलते बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है, वहीं क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर लगाम लगाने की मांग भी उठने लगी है।

पुलिस की तहरीर पर दर्ज हुआ मारपीट का मुकदमा

प्रतापगढ़। जमीनी विवाद में मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने दोनों पक्ष के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के सिपाही आशीष गुप्ता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती बीस अप्रैल को रैठे हुलासगढ़ में जमीनी विवाद को लेकर एक पक्ष के विपिन यादव पुत्र श्रीपाल यादव तथा दूसरे पक्ष के प्रेम यादव, राजू यादव, रवीन्द्र यादव, हरीन्द्र यादव पुत्रगण रामराज यादव के बीच मारपीट की घटना हुई। मामले में आरोपियों का शांतिभंग में चालान किया गया लेकिन दोनों पक्ष के लोग मारपीट पर आमदा हैं। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि मामले मे दोनों पक्ष के पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

अनियंत्रित होकर नहर में पलटी भूसा मशीन

चालक घायल, लाखों की मशीन बुरी तरह क्षतिग्रस्त

अखंड भारत संदेश

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र में बुधवार की दोपहर चैमारी नहर पुल पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब भूसा बनाने जा रही एक भारी मशीन अचानक अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई। हादसे में चालक घायल हो गया, जबकि लाखों रुपये की मशीन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।जानकारी के अनुसार मुरैनी गांव निवासी पवन जायसवाल पुत्र श्यामू भूसा बनाने वाली मशीन चलाने का कार्य करता है। बुधवार दोपहर करीब 3 बजे वह अपनी भूसा मशीन लेकर चैमारी नहर पुल से होकर एक किसान के खेत में भूसा बनाने जा रहा था। तभी पुल पार करते समय अचानक मशीन अनियंत्रित हो गई और सीधे नहर में जा पलटी।हादसे में चालक पवन जायसवाल को चोटें आईं,

जिन्हें तत्काल इलाज के लिए भेजा गया। वहीं नहर में गिरने से मशीन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा और भी भयावह हो सकता था। यदि मशीन के ऊपर ट्राली पलट जाती तो बड़ा जानलेवा हादसा हो सकता था।घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों के लोग मौके पर पहुंच गए। मशीन को बाहर निकालने के लिए हाइड्रा बुलाया गया। शाम करीब 4 बजे तक मशीन को निकालने का प्रयास जारी रहा, लेकिन समाचार लिखे जाने तक मशीन नहर से बाहर नहीं निकाली जा सकी थी।मौके पर मौजूद सद्दाम हुसैन निवासी ढिंढूई ने बताया कि मशीन नहर में गिरने से बुरी तरह टूट गई है। लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।फिलहाल ग्रामीणों की मदद से मशीन को बाहर निकालने की कोशिश जारी है।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पलटी, युवक गंभीर

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के रमईपुर दिशिनी स्थित पशु चिकित्सालय के समीप मंगलवार व बुधवार की मध्य रात्रि तेज रफ्तार बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान संदीप कुमार पुत्र संतलाल निवासी पुरेधना, विकास खंड बाबा बेलखरनाथ धाम के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि संदीप अपनी ससुराल ग्राम शर्मा (कोतवाली पट्टी क्षेत्र) गया हुआ था। वहां से वह अपने साले प्रीतम को लेने बंधवा बाजार जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और वह दुर्घटना का शिकार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए घायल को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

कथा श्रवण करने पहुंचे पूर्व मंत्री मोती सिंह

बेलखरनाथ धाम। बेलखरनाथ धाम ब्लाक अंतर्गत गंगवार गांव में चल रही सात दिवसीय भागवत कथा के अंतिम दिन बुधवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह मोती सिंह कथा श्रवण करने पहुंचे।इस दौरान उन्होंने व्यास पीठ पर जाकर भगवान का आशीर्वाद लिया।कथा का रसपान करते हुए कथावाचक सत्यव्रत शुक्ल महाराज ने भागवत कथा में धुंधकारी की कथा सुनाते हुए बताया कि मनुष्य को अपने जीवन में एक बार श्रीमद् भागवत कथा का रसपान जरूर करना चाहिए। उन्होंने कृष्ण और अर्जुन संवाद व गीता का उपदेश के बारे में कथा सुनाई जिसे सुनकर भक्त भाव विभोर हो उठे। कथा श्रवण में पूर्व के मीडिया प्रभारी विनोद पांडे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजू सिंह, संजय पाल छैल बिहारी मिश्र, विजय नायक मिश्र,अखिलेश मिश्र, नवल बिहारी, कुंज बिहारी, अभिषेक सहित सैकड़ो भक्त मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता

पृथ्वी दिवस पर हुई संगोष्ठी, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

प्रतापगढ़। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर अधिवक्ता परिषद अवध प्रतापगढ़ ईकाई के आयोजकत्व में जिला कलेक्ट्रेट परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता व महामंत्री शिवेश कुमार शुक्ल के संचालन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम गीत से किया गया। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी केवल न्यायालय तक सीमित न होकर समाज के प्रति भी है। इस मौके पर पर्यावरण से संबंधित कानूनों पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिषद के अध्यक्ष मनोज सिंह ने जनहित याचिका के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी को वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मी कांत द्विवेदी, अशोक श्रीवास्तव, वासिनी विश्वकर्मा, इन्द्र कुमार उर्फ दीपू सिंह, उपाध्यक्ष जया शर्मा, महामंत्री शिवेश शुक्ल एडवोकेट आदि अधिवक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए पर्यावरण से जुड़े विभिन्न मामलों पर मार्गदर्शन प्रदान किया । अंत में अधिवक्ता परिषद के महामंत्री शिवेश कुमार शुक्ल ने उपस्थित सभी अधिवक्ताओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से उदित गिरी, मंत्री विनीत शुक्ल, विनोद शर्मा,अश्वनी पाण्डेय, श्रवण कुमार, विनोद सरोज, परमानंद मिश्र,शिवानी सरोज, बब्लू कुमार, श्रिषी त्रिपाठी सहित अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे।

सीमांकन पत्थर को क्षतिग्रस्त करने की एसडीएम से हुई शिकायत

लालगंज। पैमाइश के बाद लगाए गए सीमांकन पत्थर को विपक्षियों द्वारा क्षतिग्रस्त किये जाने के आरोप को लेकर पीड़ित ने एसडीएम से शिकायत की है। लखनऊ के विकास नगर निवासी सप्तर्षि मिश्र के अनुसार सांगीपुर थाना के सिंघनी में उनकी जमीन है। पीड़ित ने एसडीएम को सौंपे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि राजस्व व पुलिस टीम की मौजूदगी में बीती बारह अप्रैल को उसकी सिंघनी स्थित जमीन पर पैमाइश के बाद सीमांकन पत्थर लगाया गया था। आरोप है कि विपक्षियों ने राजस्व टीम द्वारा लगवाए गए सीमांकन पत्थर को उखाड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। शिकायती पत्र के जरिए पीड़ित ने जांच कर कार्रवाई की मांग की है। मामले मे एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने सांगीपुर एसओ को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

जेईई मेंस में मेधावियों की सफलता पर जतायी गयी खुशी

प्रतापगढ़। आइन्सटीन पब्लिक स्कूल लालगंज के छात्रो ने जेईई मेंस की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करके विद्यालय का मान बढ़ाया है। प्रधानाचार्य शुभ्रांशु सिंह ने बताया कि विद्यालय के कक्षा बारह के छात्र आर्यन मिश्र पुत्र अश्विनी मिश्र, आस्था मिश्रा पुत्री अशोक मिश्र, उत्कर्ष द्विवेदी पुत्र सुनील कुमार द्विवेदी, आश्रय मिश्र पुत्र अरूण कुमार मिश्र, उत्कर्ष शुक्ल पुत्र आशीष शुक्ल ने जेईई मेंस की परीक्षा में सफलता हासिल की है। स्कूल के मेधावियों को मिली सफलता पर बुधवार को शिक्षकों ने मुंह मीठा कराकर खुशी साझा की। विद्यालय की निदेशिका श्रुति शुक्ला, संरक्षक विभवभूषण शुक्ल ने मेधावियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सौरभ मिश्र, योगेन्द्र शुक्ल, गरिमा मिश्रा, महेन्द्र पाठक आदि मौजूद रहे।.

जनगणना 2027 की तैयारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

पट्टी। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियां अब तेज हो गई हैं। इसी क्रम में प्रतापगढ़ जिले के पट्टी नगर में तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम नगर पंचायत कार्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में पट्टी नगर के सभी बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने भाग लेकर जनगणना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने बीएलओ को घर-घर सर्वे, परिवारों के आंकड़े संकलन, जनसंख्या विवरण, डिजिटल प्रक्रिया तथा शासन की ओर से निर्धारित दिशा-निदेर्शों की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है,

जिसमें सटीक आंकड़े बेहद आवश्यक होते हैं। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी पूर्णेन्दु मिश्रा ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश की विकास योजनाओं की मजबूत नींव है। उन्होंने बीएलओ से पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और सतर्कता के साथ कार्य करने की अपील की। इस दौरान अधिशासी अधिकारी रॉबिन सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल सहित नगर पंचायत के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

44 जिला स्तरीय अधिकारियों ने 132 ग्राम पंचायतों में आरआरसी. सेन्टर संचालन की स्थिति का सत्यापन

अखंड भारत संदेश

जिला पंचायतराज अधिकारी ने पाई गई कमियों पर ग्राम प्रधान व सचिव ग्राम पंचायत को नोटिस देकर आर.आर.सी. का संचालन नियमित रूप से कराने के लिए निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार बुधवार को 44 जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा 132 ग्राम पंचायतों में संचालित आर.आर.सी. सेन्टर, वर्मी कम्पोस्ट, ई-रिक्शा संचालन की स्थिति का आकस्मिक निरीक्षण कराकर सत्यापन किया गया।निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायतों में आर.आर.सी. सेन्टर को समूह को हैण्डओवर करने, ई-रिक्शा का संचालन रोस्टर अनुसार प्रतिदिन करने, कितने घरो से यूजर चार्ज लिया जा रहा है कितनी वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन हुआ तथा कितनी बेची गयी एवं ग्राम पंचायतों में कितना आय जनरेट हुई आदि का सत्यापन किया गया अधिकारियों के निरीक्षण उपरान्त 07 ग्राम पंचायतों मे आर.आर.सी. सेन्टर का संचालन नियमित रूप से नहीं किया जा रहा पाया गया, 12 आर.आर.सी. कबाडी वाले से लिंकेज नही पाये गये है, 19 ग्राम पंचायतों द्वारा यूजर चार्ज लागू नही किया गया, 06 ग्राम पंचायतों द्वारा वर्मी कम्पोस्ट तैयार नही किया जा रहा है। 132 ग्राम पंचायतों को प्राप्त कुल आय (कूड़ा/वर्मी कम्पोस्ट/स्वच्छता शुल्क) मु0-1,76,700 रू0 है। निरीक्षण उपरान्त विकास खण्ड-नेवादा, की ग्राम पंचायत किशनपुर अम्बारी, विकास खण्ड-चायल की ग्राम पंचायत-चक बादशाहपुर, विकास खण्ड-सिराथू की ग्राम पंचायत-अफजलपुरवारी, अहिरारा, बसोहनी,विकास खण्ड-कड़ा की ग्राम पंचायत ननमई विकास खण्ड-सरसवां की ग्राम पंचायत-कटरी,बड़हरी,कोरीपुर, ऊनों तथा विकास खण्ड कौशाम्बी की ग्राम पंचायत-मोहिद्दीनपुर देवखर,दिया उपरहार,कोसम खिराज,विकास खण्ड-मूरतगंज की ग्राम पंचायत-गौहानी कला विकास खण्ड-मंझनपुर की ग्राम पंचायत-गुलामीपुर में पायी गयी कमियों पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव को नोटिस निर्गत करते हुए एक सप्ताह के भीतर आर.आर.सी. का संचालन नियमित रूप से कराने के निर्देश दिए।

तहसीलदार ने ग्राम सचवारा में भूमि विवाद की शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया

कौशांबी। तहसीलदार मंझनपुर पुष्पेन्द्र कुमार ने टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अंतर्गत आज ग्राम सचवारा में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया तहसीलदार ने प्रार्थना पत्र एवं आई.जी.आर.एस. के अन्तर्गत प्राप्त शिकायत पर राजस्व एवं पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर अभिलेखीय एवं स्थलीय जाँच किया गया। विवादित स्थल आबादी के अन्दर बने बाउण्ड्रीवाल को लेकर था। राजस्व टीम ने ग्राम प्रधान की उपस्थिति में दोनों पक्षों में सुलह समझौता कराने का प्रयास किया, किन्तु दोनो पक्ष मानने को तैयार नही थे। ऐसी स्थिति में दोनों पक्षो से कहा गया कि सिविल न्यायालय में वाद योजित कर अनुतोष प्राप्त करें। तहसीलदार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

ना तो आसमान से चोरी के मोबाइल गिरे हैं और ना ही चोरी के मोबाइल पेड़ पर टंगे हुए मिले हैं तो फिर

92 अपराधियों को छोड़कर 92 मोबाइल बरामद करने की कहानी बनाकर खुद अपनी पीठ थपथपा रही है कौशांबी की पुलिस

कौशांबी। जिले में पुलिस के खुलासे की कहानी में तमाम झोल ही झोल दिखाई पड़ते हैं चोरी के मोबाइल के बरामद करने का दावा करके पुलिस खुद अपनी पीठ थपथपा रही है जबकि आम जनता के बीच में पुलिस की किरकिरी हो रही है ना तो आसमान से चोरी के मोबाइल गिरे हैं और ना ही चोरी के मोबाइल पेड़ पर टंगे हुए मिले हैं तो सवाल उठता है की नदी तालाब के गहरे जल के अंदर से कौशांबी की पुलिस ने मोबाइल बरामद किया है इस बात का भी खुलासा पुलिस करने को तैयार नहीं है या फिर कोई जादुई शक्ति के जरिए कौशांबी की पुलिस ने 92 मोबाइल बरामद किया है यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है 92 मोबाइल बरामद कर उनके वास्तविक मालिक को सुपुर्द करने की पुलिस के खुलासे में तमाम झोल दिखाई पड़ रहे हैं जो बड़ी जांच का विषय है कि आखिर 92 मोबाइल किन परिस्थितियों में किस अपराधी से जिले के किस स्थान से किस तारीख को बरामद हुआ है लोगों से मोबाइल चोरी करने वाले चोरों के गिरोह पर अब तक पुलिस ने क्या कार्यवाही की है आखिर मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के सरगना सहित सदस्यों पर पुलिस लगातार इतनी मेहरबानी क्यों बनाए हुए हैं यह तमाम बातें पुलिस व्यवस्था के खुलासे पर सवाल खड़ा कर रही है यदि सूत्रों की माने तो अलग-अलग लोगों से 92 चोरी के मोबाइल पुलिस को बरामद हुए थे लेकिन चोरों से मोबाइल तो पुलिस ने वापस ले लिया है लेकिन चोरी करने वाले 92 शातिर पेशेवर अपराधियों से पुलिस ने मोबाइल बरामद करने के बाद उन चोरों को बेकसूर छोड़ दिया जिससे मोबाइल चोर दोबारा फिर मोबाइल चोरी करें और फिर उनसे मोबाइल बरामद करने के बाद उनसे वसूली होती रहे सवाल उठता है कि मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह को इतनी छूट देने का संविधान की किस धारा में पुलिस को अधिकार दिए गए हैं यह बड़ी जांच का विषय है 92 लोगों से चोरी के मोबाइल बरामद करने के बाद मोबाइल के वास्तविक मालिकों को सुपुर्द करने के बाद मोबाइल चोरी करने वालों को छोड़ देने के मामले की शासन ने जांच कराई तो बड़ी कहानी उजागर करेगा।

...जब अफसरों के बंगले में अटैच सैकड़ो सफाई कर्मी तो गांव की कैसे होगी सफाई!

प्रशासन ने जांच कराई तो बेवजह अटैचमेंट किए गए सफाई कर्मियों का अटैचमेंट समाप्त होने से गांव की सफाई व्यवस्था बहाल होगी

कौशांबी। गांव गांव में सफाई करने के लिए मायावती की सरकार में सफाई कर्मियों की भती की गई थी और उसके बाद गांव में सफाई कर्मियों की तैनाती इस उम्मीद से की गई कि गांव को साफ सुथरा रखना में सफाई कर्मी अहम भूमिका निभाएंगे लेकिन सफाई कर्मियों ने गांव को साफ सुथरा बनाने में अहम योगदान नहीं निभाया है तमाम सफाई कर्मी उपस्थित दर्ज करने के बाद गांव की सफाई करने नहीं जाते हैं जिससे गांव में चारों ओर गंदगी व्याप्त है गांव की नाली की कभी सफाई कर्मी द्वारा सफाई नहीं की जाती है नालिया कीचड़ से बजबजा रही है जिससे दुर्गंध उड़ती है और लोगों का जीना मुहाल है गांव के अंदर से लेकर गांव के बाहर तक कूड़े का ढेर लगा हुआ है सड़क और गलियों में चारों तरफ दुर्गंध उठ रही है इसके साथ-साथ तमाम सफाई कर्मियों ने जुगाड़ लगाकर अधिकारियों के आवास और कार्यालय में अपने को अटैच करवा लिया है जिससे उनके सामने बहाने बाजी का अवसर मिल गया है कि हम तो उपरोक्त साहब के ऑफिस या आवास की सफाई नहीं करते हैं जबकि अफसर के कार्यालय में सरकार द्वारा परमानेंट सफाई कर्मी की नियुक्तियां की गई है ब्लॉक कार्यालय से लेकर जिले स्तर के तमाम कार्यालय और ब्लॉक स्तर से लेकर जिला स्तर तक के तमाम अधिकारियों के आवास पर सैकड़ो सफाई कर्मियों को अटैच किया गया है इतना ही नहीं तमाम ऐसे सफाई कर्मी है जिनकी गांव में 10 वर्ष पहले ड्यूटी लगाने के बाद ड्यूटी न देने के बाद भी उनका स्थानांतरण नहीं हुआ है ड्यूटी न देने अफसरों के बंगले और आवास में अटैचमेंट के चलते गांव की पूरी सफाई व्यवस्था चौपट हो चुकी है जो बाद गंभीर सवाल खड़ा कर रही और अटैचमेंट के मामले में यदि शासन में प्रशासन ने जांच कराई तो बेवजह अटैचमेंट किए गए सफाई कर्मियों का जहां अटैचमेंट समाप्त होगा वही गांव की सफाई व्यवस्था बहाल होगी।

24 अप्रैल से 8 मई के मध्य समस्त राशन काडर्धारकों को किया जाएगा राशन का वितरण

कौशांबी। जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य ने जनपद कौशाम्बी के समस्त राशन काडर्धारकों को सूचित किया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत माह मई 2026 में अन्त्योदय काडर्धारकों को प्रति कार्ड 14 किग्रा0 गेंहू व 21 किग्रा चावल तथा पात्र गृहस्थी काडर्धारकों को प्रति यूनिट 02 किग्रा गेंहू, 03 किग्रा चावल का वितरण दिनांक 24 अप्रैल,2026 से 8 मई,2026 के मध्य किया जाएगा जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि इन वितरण दिवसों में उचित दर की दुकानों पर खाद्यान्न वितरण का कार्य सुनिश्चित किया जायेगा। वितरण के दौरान उचित दर विक्रेता द्वारा प्रतिदिन एक निश्चित संख्या में टोकन काडर्धारकों में वितरित किया जाएगा और समय की उपलब्धता एवं ई-पास मशीनों से हो पा रहे वितरण के अनुरूप, उसमें अपेक्षित परिवर्तन करते हुए खाद्यान्न वितरण का कार्य पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा। मोबाईल ओ.टी.पी. के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि दिनांक 08.05.2026 रहेगी। पोर्टबिलिटी के अन्तर्गत खाद्यान्न वितरण की सुविधा उचित दर विक्रेता के स्टाक में उपलब्ध खाद्यान्न की सीमा तक होगी। किसी भी काडर्धारक को राशन प्राप्त करने में असुविधा होती है, समाधान के लिए मोबाइल नम्बरों-जिला पूर्ति अधिकारी 7839564632, पूति पूर्ति निरीक्षक चायल/नेवादा 9936561610, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मंझनपुर चायल 9415264027, पूर्ति निरीक्षक मूरतगंज 7991403405, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सिराथू 7408164483, पूर्ति निरीक्षक कौशाम्बी 9161131301, पूर्ति निरीक्षक सरसवां 9473525538, पूर्ति निरीक्षक मंझनपुर/सिराथू 8840927132 पर संपर्क कर सकते है।

विश्व पृथ्वी दिवस : एमवीआईईटी में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

विभिन्न तकनीकी सत्रों, प्रस्तुतियों संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय मुद्दों पर अपनी समझ को और सुदृढ़ किया

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। विश्व पृथ्वी दिवस 2026 के अवसर पर मधु वाचस्पति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमवीआईईटी), कौशांबी में एक राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम हमारी शक्ति, हमारा ग्रह के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण,जल संसाधन प्रबंधन तथा सतत विकास के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. वाचस्पति,विधायक बारा प्रयागराज रहे। अपने संबोधन में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए युवाओं से इसमें सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट वक्ताओं के रूप में प्रो.एच.के. पांडेय सिविल इंजीनियरिंग विभाग एमएनएन आईटी प्रयागराज प्रो. विकास श्रीवास्तव कार्यकारी अध्यक्ष,स्वदेशी साइंस मूवमेंट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली तथा इंजी.जी. सी.दुबे अध्यक्ष,इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन,प्रयागराज ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने जल संरक्षण,प्रदूषण नियंत्रण,हरित ऊर्जा और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का आयोजन डॉ.एस.पी. गौतम निदेशक, एमवीआईईटी के मार्गदर्शन एवं इंजी.अजय सिंह डीन,एमवीआईईटी के निर्देशन में किया गया। आयोजन की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत स्वरूप पुष्पगुच्छ भेंट कर की गई तथा निदेशक डॉ.एस.पी.गौतम ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि समाज में लोगों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता ना होने का सबसे बड़ा कारण अशिक्षा है और उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने का सबसे पहला कदम है शिक्षा। इसलिए शिक्षित बनो और शिक्षित बनाओ का नारा लगाते हुए उन्होंने समाज में शिक्षा का महत्व भी बताया। कार्यशाला में छात्रों ने अत्यंत उत्साह एवं सक्रियता के साथ भाग लिया। विभिन्न तकनीकी सत्रों, प्रस्तुतियों और संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय मुद्दों पर अपनी समझ को और सुदृढ़ किया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा अतिथियों को मोमेंटो और पौधे द्वारा सम्मानित किया गया। यह कार्यशाला न केवल ज्ञानवर्धक रही,बल्कि छात्रों और उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने में भी सफल सिद्ध हुई। कार्यक्रम का संचालन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली ढंग से किया गया। इस अवसर पर एंकरिंग का दायित्व कुशलतापूर्वक पूणिर्मा प्रजापति द्वारा निभाया गया,जिनकी सुस्पष्ट अभिव्यक्ति और मंच संचालन की दक्षता ने पूरे कार्यक्रम को आकर्षक बनाए रखा।साथ ही, संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन पूणिर्मा प्रजापति, कुलदीप पटेल, सुश्री हुमा बानो एवं समस्त स्टाफ के संयुक्त प्रयासों से सुचारु रूप से संपन्न हुआ। अंत में कार्यक्रम के समापन पर इंजीनियर कमलेश द्विवेदी द्वारा हृदयपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रकार यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस मौके पर डॉ सिद्धार्थ अग्रवाल, इंजी शिवा नारायण, इंजी एजाज़ अहमद, इंजी हमजा इलियास, इंजी सत्यम विश्वकर्मा, इंजी मदीहा लइक, सुश्री हर्षिता द्विवेदी, सुश्री तरुणा,सुश्री शिवानी यादव,इंजी सुजीत यादव, इंजी दुर्गेश विश्वकर्मा, इंजी समीर प्रजापति, राहुल गुप्ता, विवेकानंद पाण्डेय अनुष्का, दृष्टि, पूजा, अमरीश सिंह, रवि निषाद, इंजी अनिमेष, मोहसिन, प्रदीप मिश्रा एवं समस्त स्टाफ एवं छात्र उपस्थित रहे।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष नागरिकों को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। पिछले वर्ष पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष नागरिकों को बुधवार को नगर पंचायत चरवा में शहीद चंद्रमणि शहीद स्थल पर कांग्रेस नेताओं द्वारा जिला अध्यक्ष गौरव पांडे के नेतृत्व में कैंडल जलाकर पहलगाम के आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि जिस तरह से पहलगाम में हमारे भारत के निर्दोष लोगों को मारा यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण था भाजपा सरकार भारत के नागरिकों को सुरक्षा नहीं दे पा रही है और न ही आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर रही है बस मौका मिलने पर राजनीत से नहीं चूकती।हम आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं।नफरत और हिंसा के आगे भारत कभी नहीं झुकेगा! आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है जो मानवता,शांति और विकास के लिए सबसे बड़ी चुनौती है,और इसके खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग व कड़ी कारर्वाई आवश्यक है जिसके लिए सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जिससे आतंकियों का खात्मा किया जा सके। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व प्रदेश सचिव राम बहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय बाबू जी,अल्कमा उस्मानी, उदय यादव, सोम प्रकाश मिश्रा, जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला, यूसुफ़ जमा अरविंद पाण्डेय, पवन यादव, गुलज़ारी केसरवानी अशोक पाण्डेय सभासद महेंद्र मिश्रा, सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, सुरेंद्र कुशवाहा बृजमोहन पाण्डेय,राहुल यादव विवेक पाल, सौम्य शुक्ला सुरेंद्र सरोज,राकेश पाल आदि मौजूद रहे।

पेड़ से टकराई बाइक हादसे में जीजा की मौत, साला गंभीर घायल

कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के अजीजपुर दिलावलपुर गांव के समीप बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई वही दूसरा युवक गंभीर घायल है घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दोनों रिश्ते में जीजा साले हैं। जानकारी के अनुसार,अजीजपुर निवासी सियाराम सरोज उम्र 45 वर्ष पुत्र स्व.हरछठिया वा उनका साला मुकेश सरोज उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्र फूलचंद निवासी छब्बूकापूरा मजरा बरुवा,थाना पश्चिम शरीरा बुधवार की सुबह 9:00 बजे बाइक से टेडीमोड से वापस दिलावलपुर गांव लौट रहे थे सामने से आ रहे तेज गति वाहन को बचाने के चक्कर में दिलावलपुर गांव के पास उनकी अनियंत्रित बाइक एक पेड़ से टकरा गई।इस दुर्घटना में सियाराम सरोज की मौके पर ही मौत हो गई। और उनका साला मुकेश सरोज घायल हो गया है सूचना मिलने पर कड़ा धाम थाना पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायल मुकेश सरोज को तत्काल अस्पताल में भती कराया।

सरकार और उपभोक्ताओं दोनों के लिए स्मार्ट मीटर बना स्लो कैंसर

एक सौ पचास से लेकर दो सौ रुपए तक आ जाने पर लाइट काट दी जाती है, लोगो में जबरदस्त आक्रोश लोगो ने तत्काल प्री पैड मीटर लगाने की बात की

भरवारी कौशांबी विद्युत विभाग का स्मार्ट मीटर आम जनता के जी का जंजाल बन गया है तत्काल स्मार्ट मीटर परिवर्तन नहीं किया तो यह जहां उपभोक्ताओं के लिए स्लो कैंसर बनेगा वहीं सरकार के लिए भी या स्लो कैंसर बनता जा रहा है उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक तरफ न्याय प्रिय सरकार की बात करती है वही इस वक्त इनके शासन काल में एक निर्णय से समूचे उत्तर प्रदेश में कोहराम मच गया है जिसको यदि योगी सरकार संज्ञान नहीं लेती है तो इनकी सरकार का जाना तय है 'इस वक्त कस्बा भरवारी का आलम यह है कि प्रत्येक माह विद्युत उपभोक्ता मोबाइल लेकर दिन भर सब काम काज छोड़कर सिर्फ मोबाइल पर मैसेज ही देखता रहता हैं '।कभी एक हजार सत्तर रुपए तो कभी दो सौ तो कभी एक सौ पचास रुपए तक बिल आते ही लाइट काट दी जाती हैं वही उपभोक्ताओं का कहना है इस मीटर के लग जाने से जीना हराम हो गया है ' सुबह आंख खुलते ही विद्युत उपभोक्ता मोबाइल हाथ में लेकर स्मार्ट मीटर की स्थितियों को देखने की समझने की कोशिश करते हैं लेकिन उनके देखते ही देखते उनकी घरों की विद्युत लाइट काट दी जाती हैं इतना ही नहीं फिर चाहे आपने चार दिन पहले ही बिल जमा किया हो। लाइट काटने की जिम्मेदारी भी पूर्वांचल विद्युत विभाग बनारस को दे रखी है यदि आप जेई या एसडीओ के पास अपनी शिकायत करते भी है तो उनका साफ कहना है कि हम लोगों को भी कुछ जानकारी नहीं है वही जेई का भी कहना है कि हम लोग भी परेशान है परंतु कुछ नहीं कर सकते है बैरहाल स्मार्ट मीटर लग जाने से जहां जनता परेशान है वहीं लोगों का जीना दिन भर दुश्वार हो गया है लोगो ने स्मार्ट मीटर हटवाकर यथा शीघ्र पुराने प्री पैड मीटर लगवाने की मांग की है वहीं यथा शीघ्र समाधान नहीं निकला तो विद्युत विभाग के प्रति उल्टी गिनती शुरू करने पर जल्द ही कस्बा वासी बाध्य होगे।

न्यूज झरोखा

पीएचसी में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

हररायपुर कौशांबी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज एवं मूरतगंज ब्लॉक में बुधवार को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान का सफल शुभारंभ नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष कविता पासी मैडम के कर-कमलों द्वारा किया गया।इस अवसर पर उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ह्यूमन पैपिलोमावायरस वैक्सीन के महत्व,लाभ एवं किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई यह टीकाकरण कार्यक्रम गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।सभी संबंधित टीमों को निर्देशित किया गया कि वे क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाते हुए अधिक से अधिक लाभार्थियों तक इस सुविधा को पहुंचाना सुनिश्चित करें।इस सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित स्टाफ एएनएम आशा सीएचओ एवं सहयोगी टीम को धन्यवाद एवं सराहना किया।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का शुभारंभ मानव श्रृंखला से हुई सुरुवात

कोखराज। राजकीय हाईस्कूल कसिया पश्चिम सिराथू में छात्रों को सुरक्षित, सम्मान जनक, आत्मबल एवं आत्म विश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का तीन दिवसीय आयोजन किया गया। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के प्रथम दिवस का शुभारंभ मानव श्रृंखला से किया गया। द्वितीय दिवस में योग प्राणायाम,सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं तृतीय दिवस में निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ0 सारिका ने महिला सशक्तिकरण से संबंधित हेल्प लाइन नंबर के बारे में छात्राओं को बारीकी से बताया और उनके उपयोग करने से लेकर सुरक्षित रहने के गुण बताया,इस अवसर पर विद्यालय की अन्य शिक्षिका श्रीमती कविता सिंह,दीपा सिंह,उमा देवी एवं सूश्री प्रतिभा सिंह उपस्थित रही।

ऑटो ई रिक्शा को कार ने मारी टक्कर सवारी घायल

कोखराज कौशांबी। मंझनपुर मुख्यालय से सवारी लेकर ऑटो रिक्शा भरवारी जा रहा था जैसे ही ऑटो रिक्शा कोखराज थाना क्षेत्र के बिसारा टावर के पास पहुंचा कार चालक और ऑटो रिक्शा की जोरदार टक्कर हो गई है जिससे ऑटो में सवार सवारियां घायल हो गई हैं दुर्घटना देखकर आसपास के लोगों ने मामले की सूचना एम्बुलेंस और थाना पुलिस को दी है मौके पर पहुंचे एंबुलेंस चालक सुनील कुमार और महेश कुमार ने ऑटो की घायल सवारी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है बताया जाता है कि इस दुर्घटना में रामधनी पुत्र मंसूरी लाल निवासी बंधवा रजवर कोतवाली मंझनपुर को गंभीर चोटे लगी है अन्य सवारियों को भी चोट लगी है लेकिन मामूली चोट होने के चलते अन्य सवारी अपने-अपने घर चली गई है अनियंत्रित तरीके से सड़कों पर वाहनों के दौड़ने से दुर्घटना हुई है

घर के सामने गाड़ी खड़ी करने पर हुई मारपीट

कौशांबी सैनी कोतवाली के अझुवा वार्ड नंबर 2 में घर के सामने गाड़ी खड़ी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ है बताया जाता है कि इन दोनों पक्षों के बीच अक्सर विवाद होता रहता है बताया जाता है कि राहुफ के घर के सामने नफीस गाड़ी खड़ी कर देते हैं इसी बात को लेकर बुधवार को लाठी-डंडे और ईट से हमला हुआ है हमले में महिला शमा बेगम निफत सुवेब सहित 4 लोग घायल हुए हैं मारपीट सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है पीड़ित रहूफ अली ने सैनी थाने में जाकर नामजद तहरीर दी।

अझुवा हाइवे के सभी कट बंद

मंडी समिति के पास उमड़ी भीड़ राहगीर, छात्र और व्यापारी बेहाल, जिम्मेदारों ने पब्लिक को बनाया घनचक्कर, कभी सर्विस रोड में चलाते हैं बुल्डोजर, कभी खुलवाते बंद करवाते हैं कट

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अचानक सभी कट बंद किए जाने से आमजन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मंगलवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने भोला चौराहा, किराना गली और स्वीटी स्वीट हाउस वाली गली सहित सभी प्रमुख कटों को बंद करा दिया। इसके चलते सुबह से ही राहगीरों, छात्रों और व्यापारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।कट बंद होने के कारण स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं जिनमें धर्मा देवी और जय मां दुर्गे जैसे शिक्षण संस्थानों के बच्चे शामिल हैं अपनी जान जोखिम में डालकर डिवाइडर पार करते नजर आए। कई जगहों पर साइकिल और मोटरसाइकिल सवारों को डिवाइडर पर चढ़कर दूसरी लेन में जाते देखा गया जिससे कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है।वहीं,नवीन मंडी समिति के पास खुले एकमात्र कट पर हालात और भी गंभीर हो गए हैं।टांडा मार्ग की ओर जाने वाले वाहनों और हाइवे पर चढ़ने-उतरने वाले राहगीरों की भारी भीड़ यहां उमड़ पड़ी है।संकरी सर्विस रोड पर लोग एक-दूसरे को बचाते और खिसकाते हुए निकलते दिखे, जिससे अव्यवस्था और जाम की स्थिति बनी रही।स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी पब्लिक को घनचक्कर बना रहे हैं। कभी सर्विस रोड पर बुलडोजर चलाया जाता है तो कभी कट खोल दिए जाते हैं और फिर अचानक बंद कर दिए जाते हैं।इस तरह के फैसलों से लोगों में असमंजस और नाराजगी बढ़ती जा रही है।गौरतलब है कि अझुवा कस्बा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बसा घनी आबादी वाला क्षेत्र है। कानपुर से प्रयागराज मार्ग पर कई जगहों पर फ्लाईओवर और बायपास का निर्माण हो चुका है,लेकिन अझुवा में अब तक ऐसी कोई सुविधा नहीं मिल सकी है। यही वजह है कि यहां आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं और कई लोगों की जान जा चुकी है।कट बंद किए जाने के संबंध में चौकी इंचार्ज अनुराग सिंह ने बताया कि यह कारर्वाई उच्चाधिकारियों के निर्देश पर की जा रही है।हालांकि,स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के इस तरह कट बंद करना उनकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।अब देखना यह है कि प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान निकालता है या फिर अझुवा क्षेत्र के लोगों को यूं ही जोखिम भरी राहों से गुजरना पड़ेगा।हलांकि विद्यालय समय के लिए ट्रैफिक,पुलिस बल तैनात किया गया है।

उप जिलाधिकारी ने ग्राम चिल्लासह बाजी में भूमि विवाद की 04 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया

कौशांबी। उप जिलाधिकारी,चायल अरूण कुमा? ने टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अंतर्गत आज ग्राम चिल्लासह बाजी में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित कुल 04 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया।उप जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ता राम पूजन पटेल की शिकायत पर ग्राम की गाटा संख्या-725, जो खतौनी में खलिहान दर्ज है, पर हुए अवैध कब्जे को हटवाया। उन्होंने शिकायतकर्ता मदन लाल की शिकायत पर ग्राम की गाटा संख्या-175, जो खतौनी में चकमार्ग की भूमि दर्ज है, पर दीवार बनाकर किए गए कब्जे को मौके पर ही गिरवाकर अतिक्रमण मुक्त करवाया। उन्होंने शिकायतकर्ता सुरेन्द्र कुमार की शिकायत पर ग्राम की गाटा संख्या-690, 670 एवं 671 के मध्य भूमिधरी भूमि को लेकर विवाद पर पत्थरगढ़ी कराकर समस्या का निस्तारण कराया। उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उप जिलाधिकारी ने ग्राम सौरई बुजुर्ग में भूमि विवाद की 05 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया

उप जिलाधिकारी ने बंजर भूमि एवं तालाब पर हुए अवैध अतिक्रमण को मौके पर से हटवाया

कौशांबी। उप जिलाधिकारी,सिराथू योगेश कुमार गौड़ ने ह्लटॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अंतर्गत आज ग्राम सौरई बुजुर्ग में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित कुल 05 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया।उप जिलाधिकारी ने ग्राम की गाटा संख्या-530, जो खतौनी में बंजर भूमि दर्ज है, पर बाउण्ड्रीवाल एवं पिलर आदि के माध्यम से किए गए अवैध कब्जे को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसी प्रकार उन्होंने ग्राम की गाटा संख्या-2289, बंजर भूमि पर हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया तथा गाटा संख्या-2226, जो खतौनी में तालाब दर्ज है, पर हुए अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया। उन्होंने गाटा संख्या-281, जो खतौनी में तालाब दर्ज है एवं गाटा संख्या-296, जो खतौनी में खलिहान दर्ज है, पर हुए अवैध अतिक्रमण को मौके पर ही हटवाया। इन शिकायतों के निस्तारण से शिकायत कर्ता भी संतुष्ट रहे।उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

सम्पादकीय

महिला आरक्षण पर सरकार का खेल

सत्यमेव जयते, यह भारत का ध्येय वाक्य है। भारतीयों का यही यकीन है कि सच की ही जीत होती है। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार बार-बार हमारे इस यकीन की परीक्षा ले रही है। देश में अब एक बार फिर सच को नकारने की कोशिश और झूठ को बढ़ावा देने की राजनीति शुरू हो गई है। शनिवार का प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन ऐसी ही एक कोशिश थी। संसद के विशेष सत्र में 131 संविधान संशोधन विधेयक को सरकार पारित नहीं करवा सकी। इंडिया गठबंधन की एकजुटता ने मोदी सरकार को करारी हार का स्वाद चखाया तो अब भाजपा कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर हमलावर है कि वह नारी का अपमान करती है। हालांकि संसद में चर्चा के दौरान विपक्ष ने लगातार यही कहा कि उसका विरोध महिला आरक्षण से नहीं है।

जब 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम मोदी सरकार लाई थी, जिसके जरिए महिलाओं को संसद और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, तो सारे दलों ने इस पर सहमति जताई थी। तब प्रधानमंत्री मोदी ने इस सफलता के लिए अपनी पीठ थपथपाई थी, तो अब उनके द्वारा लाया गया एक दूसरा विधेयक पारित नहीं हो सका, तो इस की जिम्मेदारी भी उन्हें खुद लेनी चाहिए, मगर वे विपक्ष पर ठीकरा फोड़ रहे हैं।

यह बात उसने पहले ही साफ कर दी थी, फिर भी सरकार ने विधानसभा चुनावों के बीच में संसद का विशेष सत्र लगाया, ताकि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित करवा सकें, लेकिन संविधान संशोधन विधेयक में ही सरकार के हाथ नाकामी लगी, तो अभी के लिए बाकी दोनों विधेयकों से किनारा कर लिया गया। सरकार ने 2023 में पारित विधेयक पर तो कानून नहीं बनाया, लेकिन अब चाहती है कि बिना जनगणना के परिसीमन हों, जिसमें संसद और विधानसभा की सीटें बढ़ जाएं, उसके बाद उसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण किया जाए। लेकिन विपक्ष का तर्क था कि महिलाओं को आरक्षण आप अभी दे दीजिए, उसके लिए परिसीमन की जरूरत नहीं है। असल में मोदी सरकार की निगाहें 2029 के चुनावों पर हैं, जिसमें परिसीमन के बाद उत्तरभारत की सीटें दक्षिण भारत की तुलना में बढ़ जाएंगी, क्योंकि यहां आबादी ज्यादा है और दक्षिण भारत में जनसंख्या पर काफी हद तक नियंत्रण है। भाजपा को उत्तरभारत से ही फायदा है। लेकिन इस बार मोदी सरकार की चालाकी नाकाम हो गई। राहुल गांधी ने इस विधेयक पर चर्चा के दौरान जिस तरह जादूगर का खेल खराब होने की कहानी सुनाई और उस पर सत्तापक्ष के लोग हड़बड़ाए, घबराए दिखे, उसी से समझ आ गया कि उन्हें भी हार का डर था। हालांकि हारने के बाद भी भाजपा ने जब विपक्ष को ही महिला-विरोधी साबित करने की कोशिश की और मीडिया इसमें रूदाली की भूमिका में आ गया, तो प्रियंका गांधी ने शनिवार सुबह एक प्रेस कांफ्रेंस कर सारी स्थिति साफ कर दी कि हम महिला आरक्षण के विरोध में नहीं हैं, उसके नाम पर अभी परिसीमन कराने की कोशिश के विरोध में हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

-: ललित गर्ग:-

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मयार्दाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता

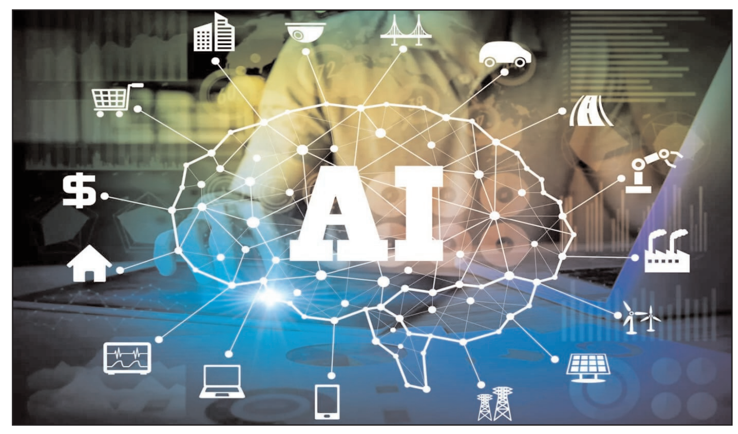

है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

राहुल ने मोदी का जादू खत्म किया

शकील अख्तर

सोचिए भारत की एकता और अखंडता के लिए यह कितना जरूरी है कि दक्षिण के राज्यों में ऐसा कोई संदेश नहीं जाए कि उनकी सीटें कम करने की साजिश हो रही है। उन्हें उत्तर भारत के मुकाबले कमजोर करने की कोशिश हो रही है। विपक्ष ने इस माहौल को खत्म कर दिया। देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए यह विपक्ष का बड़ा योगदान है।

राहुल ने बिल्कुल सही कहानी सुनाई थी। जादूगर का जादू खत्म हो गया और जादूगर भी खत्म हो गया। खत्म हो गया मतलब उसकी वह कला जगलरी खत्म हो गई।

महिला की आड़ में लाया गया परिसीमन बिल तो गिरा ही प्रधानमंत्री मोदी का खेल भी खत्म हो गया। शनिवार रात साढ़े आठ बजे प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी, समर्थकों, मीडिया और खुद को बहलाने के लिए भाषण दिया। नाम तो इसे राष्ट्र के नाम संबोधन का दिया गया था। मगर राष्ट्र के नाम संबोधन बहुत बड़ी चीज होती है। पूरा देश उत्सुकतापूर्वक सुनता है। देश के लिए कोई प्रेरणा होता है। हर कोई राष्ट्र को संबोधित नहीं कर सकता। यह विशेषाधिकार केवल राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ही होता है।

लेकिन मोदीजी ने शनिवार रात इसे शिकवा शिकायत, रोना सहानुभूति पाने की कोशिश का जरिया बना दिया। प्रधानमंत्री मोदी का अब तक सबसे कमजोर भाषण। और यह हम नहीं कह रहे। उनके समर्थक कह रहे हैं। वे समर्थक जिनमें उत्साह भरने के लिए मोदी ने यह भाषण दिया था। कुछ तो इन्दिरा गांधी को याद कर रहे हैं कि कैसे वे हार को जीत के अवसरों में बदल देती थीं। मगर यह भूल गए कि वे इन्दिरा गांधी थीं। झूठ के मंच पर नहीं खड़ी थीं। उनके सिद्धांत थे, मूल्य थे। प्रगतिशील थीं। पूरे देश को साथ लेकर चलती थीं। नफरत और विभाजन की राजनीति नहीं करती थीं। उन जैसा करने के लिए अंदर से साहस चाहिए। मोदी वह कहां से लाएंगे? नकारात्मक सोच डर पैदा करता है, हिम्मत नहीं। मगर खैर मोदी इन्दिरा की तरह काम करने लगें सब चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने जैसा डरा रखा है सबसे पहले उससे बाहर निकलें और इन्दिरा गांधी की तरह धमका दें जैसे उन्होंने उस समय के राष्ट्रपति निक्सन को हड़काया था कि भारत को क्या करना है यह तुमसे और पाकिस्तान से सीखने की जरूरत नहीं।

कर पाएंगे या नहीं देखना होगा! लेकिन अगर कर दिया तो अगला राष्ट्र के नाम संबोधन रोने गाने के लिए नहीं देश को गर्व कराने वाला होगा। जो देश चाहता है।

संबोधन में पाकिस्तान का नाम तो लिया मगर यह नहीं कह सके कि मेरी विदेश नीति की असफलता की वजह से आज वह दुनिया में केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पाकिस्तान का नाम लिया था तो यह भी बताना था कि उसने कोई बड़ा तीर नहीं मारा है। हमारे विश्व रंगमंच से हटने से उत्पन्न शून्य ने उसे मौका दे दिया।

लेकिन प्रधानमंत्री ने यह सब कुछ नहीं बोला कांग्रेस कांग्रेस और बाकी टीएमसी, डीएमके, सपा को कोसते रहे। सोचिए राष्ट्र के नाम संबोधन में यह होता है? यह पार्टियां तो राष्ट्र का हिस्सा हैं। राष्ट्र के बाहर जिनसे चुनौती है उन पर हमला करना था। पाकिस्तान, चीन, राष्ट्रपति ट्रंप जो कहते हैं कि मैं आपका राजनीतिक कैरियर खतम कर सकता हूं उन पर हमला करना था। जनता खुश होती। मगर यहां तो उल्टे आपके समर्थक दुखी और निराश हो गए।

क्या राहुल गांधी की बात सही साबित हो गई। इतनी जल्दी। पहले भी उनकी कई बातें सही साबित हुई हैं कि किसान बिल वापस लेना पड़ेंगे, जाति गणना करना पड़ेगी। और भी कई। मगर यहां तो इतना तत्काल फल (परिणाम) आ रहा है कि कोई सोच भी नहीं सकता। राहुल की शुक्रवार को लोकसभा में कही दो बातें सही साबित हो गईं। एक उन्होंने कहा था कि अभी आधे घंटे में यहीं इनका दक्षिणी राज्यों के साथ साजिश करने का बिल गिराएंगे। और वाकई वह बिल गिरा दिया। दूसरा उन्होंने कहा था कि जादूगर का जादू खतम हो गया और खुद जादूगर भी। शनिवार को प्रधानमंत्री के भाषण के बाद यह भी दिख गया। केवल एक गोदी मीडिया है जो अभी भी प्रधानमंत्री में जादू देख रहा है। वह अभी भी बताने में लगा है कि राहुल कांग्रेस, टीएमसी ममता, डीएमके स्टालिन, सपा अखिलेश सब खत्म हो गए। प्रधानमंत्री के एक भाषण ने इन सबकी राजनीति खत्म कर दी।

मगर गोदी मीडिया के अलावा किसी को नहीं लग रहा कि मोदी में अब बाजी पलटने की क्षमता है।

जिसे महिला बिल कह रहे हैं उसकी असलियत सबकी समझ में आ गई है कि उसका महिलाओं से कोई संबंध नहीं था। वह तो मनमाने ढंग से अपने लिए जीतने वाली सीटें बढ़ाने का परिसीमन बिल था। दक्षिण के राज्यों में सौतेला समझने की भावना फैलाने वाला बिल।

सोचिए भारत की एकता और अखंडता के लिए यह कितना जरूरी है कि दक्षिण के राज्यों में ऐसा कोई संदेश नहीं जाए कि उनकी सीटें कम करने की साजिश हो रही है। उन्हें उत्तर भारत के मुकाबले कमजोर करने की कोशिश हो रही है।

विपक्ष ने इस माहौल को खत्म कर दिया। देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए यह विपक्ष का बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री महिलाओं की आड़ में अपने राजनीतिक उद्देश्य छुपाना चाह रहे थे। 12 साल बाद भी उन्हें दक्षिण में स्वीकृति नहीं मिली। इसके लिए वाजपेयी की तरह वहां की पार्टियों का नेताओं का विश्वास जीतकर धीरे-धीरे जगह बनाते। लेकिन उन्होंने सीधे दक्षिणी राज्यों की लोकसभा सीटें कम करने का षड्यंत्र रच डाला।

राहुल ने पकड़ लिया। क्या इंटेलिजेंट कहानी थी। एकदम सामयिक। जो लोग उस समय लोकसभा में थे वही समझ सकते हैं कि सरकार के मंत्रियों और खुद लोकसभा अध्यक्ष ने राहुल को किस तरह यह कहानी सुनाने से रोकने की कोशिश की। बाहर तो जितना लिमिटेड संसद टीवी से आता है वही दिख रहा था। मगर अंदर प्रेस गैलरी से वह सब दिख रहा था कि किस तरह राहुल का मजाक उड़ाने से लेकर चिल्लाकर उन्हें रोकने, बार-बार व्यवधान करने याने कि हर तरह डिस्करेज करने की कोशिश हुई। राहुल को कई बार बैठ जाना पड़ा। लोकसभा अध्यक्ष ने मयार्दा का पाठ पढ़ाने की कोशिश की। यहां तक बोल गए ओम बिरला कि अगर सत्ता पक्ष इन्हें नहीं रोकेगा तो मैं रोकूंगा।

और सबसे मजेदार बात यह कि राहुल ने एक बार भी प्रधानमंत्री शब्द का इस्तेमाल नहीं किया था। मोदी नाम लेना तो दूर की बात। केवल मैजिशियन कह रहे थे। लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आप प्रधानमंत्री के लिए ऐसा नहीं बोल सकते। राहुल ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री का नाम ही नहीं लिया। मगर सत्ता पक्ष कहता रहा कि मोदी की तुलना जादूगर से करना प्रधानमंत्री का अपमान है। जिनकी समझ में नहीं आ रहा था उनकी भी आ गया कि राहुल मोदी का जादू खतम होने की बात कर रहे हैं।

और शनिवार रात को उनके भाषण के बाद उनके समर्थक भी मान गए कि जादू खत्म हो गया। शब्दों का खोखलापन उजागर हो गया। बहुत नाटकीय भाव भंगिमाएं बनाने की कोशिश की मगर दर्शकों में कोई भावनाएं नहीं जगा पाए।

अब बंगाल और तमिलनाडु में मतदान होना है। 23 अप्रैल को तमिलनाडु में पूरा और बंगाल के पहले फेज का। शनिवार को प्रधानमंत्री इसलिए बार-बार शायद 8-10 बार तो लिया होगा टीएमसी और डीएमके का नाम लिया। इतनी ही बार और ले लेते मगर फिर भी कुछ नहीं होता। तमिलनाडु में कहीं मुकाबले में ही नहीं हैं। बंगाल में भी हार पक्की है।

मोदी की आखरी कोशिश बंगाल पर ही टिकी है। यहां की हार के बाद भाजपा संघ के अंदर भी उनका जादू खत्म होने की घोषणा हो जाएगी।

महिला बिल भाजपा संघ की विचारधारा के अनुकूल नहीं है। अगर होता तो 1989 में जब राजीव गांधी पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण का बिल लाए तो राज्यसभा उसका विरोध करके उसे नहीं गिराते। राष्ट्र के नाम संबोधन में भी और उससे पहले अपने लोकसभा के भाषण में भी मोदी पंचायत में महिलाओं के आने का जिक्र कर रहे थे। मगर यह नहीं बता रहे थे कि वह राजीव गांधी की देन थी। भाजपा ने तो विरोध किया था।

ऐसे ही 2010 में महिला बिल राज्यसभा में पास हो गया था। मगर लोकसभा में उनकी महिला ही नेता सुषमा स्वराज ने इसका विरोध किया था। इसलिए बीजेपी संघ मोदी के इस बिल के लाने के पक्ष में नहीं थी। मगर मोदी ने इसे मास्टर स्ट्रोक बताते हुए अचानक बजट सत्र की अवधि बढ़ाकर इसे पेश कर दिया।

मास्टर स्ट्रोक फेल हो गया। बाल सीधे कप्तान राहुल के हाथ में चली गई।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के हवाई पट्टी पर वायु सेना के लड़ाकू विमानों द्वारा किया गया हैरतअंगेज प्रदर्शन।

सुल्तानपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के अरवलकीरी करवत, विकास खण्ड कूरेभार के पास बनायी गयी 3.2 मीटर लम्बी हवाई पट्टी पर आज वायुसेना के विमानों द्वारा इमरजेंसी लैंडिंग का अभ्यास किया गया, जिसमें वायुसेना के विमान लैण्ड/टच डाउन किये तथा वहां उपस्थित तमाम अधिकारीगण व जन समुदाय देखकर रोमांचित हो उठें। इमरजेंसी लैंडिंग में वायुसेना के लड़ाकू विमान- सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, जगुआर, परिवहन विमान, सी-295, एएन-32, हेलीकॉप्टर एमआई-17 वी5 जैसे विमान

शामिल हुए। पूरे इमरजेंसी लैडिंग को वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में संचालित किया गया। उक्त इमरजेंसी लैडिंग को प्रयागराज से कमांड किया गया।इमरजेंसी लैडिंग के अवसर पर मुख्य अतिथि मा0 जनपद प्रभारी मंत्री/कैबिनेट मंत्री, पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग, उ0प्र0 सरकार श्री ओम प्रकाश राजभर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ऊषा सिंह, मा0 भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, मा0 विधायक सदर (जयसिंहपुर) राज प्रसाद उपाध्याय, मा0 विधायक कादीपुर राजेश गौतम, जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह।

पिपरी में भीषण आग से दर्जनों घर राख लाखों का नुकसान

सुल्तानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के पिपरी गांव की दलित बस्ती में अज्ञात कारणों से लगी आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज हवा के चलते आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते दर्जनों घर जलकर खाक हो गए। घटना से गांव में अफरातफरी मच गई।सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ओमप्रकाश, निर्मला, आसाराम, मनीराम, मग्गू, रामजस, काशीनाथ, रामसुंदर, रामनाथ, ननकू, रामकुमार सहित कई परिवारों की गृहस्थी पूरी तरह जल चुकी थी। आग की चपेट में आने से मनीराम की एक सूअर भी जलकर मर गई।आगजनी में घरों में रखा गेहूं, पशुओं का चारा और दैनिक उपयोग का सामान जलकर राख हो गया,जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है।मौके पर पहुंची राजस्व टीम ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। हल्का लेखपाल ओमप्रकाश निषाद ने बताया कि जांच कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

पहले माह भर में 07 हजार उपभोक्ता लेते थे गैस अब संख्या 10 हजार पार

सुल्तानपुर ।जिले के कुड़वार ब्लॉक में संचालित कमला इंडेन गैस एजेंसी पर अचानक उपभोक्ताओं के रिफिल लेने की संख्या बढ़ने से समस्या हो रही है।लेकिन कंपनी के नियमों के अनुसार एजेंसी संचालिका द्वारा लोड आने पर रिफिल उपलब्ध कराई जा रही है। पुरानी एजेंसी होने के नाते एजेंसी के पास करीब 20 हजार उपभोक्ता है। बता दे कि कमला गैस एजेंसी कुड़वार पर 13 हजार उज्ज्वला,07 हजार सामान्य व 150 सौ एमडीएम व कमर्शियल गैस के उपभोक्ता है।बीते करीब डेढ़ माह से गैस की समस्या कंपनी द्वारा लोड कम किए जाने के बाद उत्पन्न हुई है।इसके पहले माह भर में 22 से 24 लोड इंडेन कंपनी द्वारा एजेंसी को दिए जाते थे तो किसी भी उपभोक्ता को समस्या नहीं होती थी।साथ ही जिले की अन्य एजेंसियों द्वारा डिलेवरी वाहन भेज कर सप्लाई कराई जाती थी लेकिन जब से गैस की किल्लत शुरू हुई तो सभी एजेंसियों ने सप्लाई बंद कर दी।ऐसे में सारे उपभोक्ताओं का लोड अकेले स्थानीय गैस एजेंसी पर पड़ गया है।गैस एजेंसी की संचालिका शिखा सिंह ने बताया कि कंपनी द्वारा जिस हिसाब से लोड मिल रहा है ।

गाजीपुर में नए जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने संभाला कार्यभार, मीडिया संग की पहली बैठक

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर । जनपद के नवागत जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने आज पूर्वान्ह कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार पहुँचकर डबल लॉक में जरूरी अभिलेखों पर हस्ताक्षर कर जिलाधिकारी गाजीपुर के पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, अपर जिलाधिकारी वि/रा दिनेश कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी आयुष चौधरी, उपजिलाधिकारी सदर, मुहम्मदाबाद एवं वरिष्ठ कोषाधिकारी मंगलेश सिंह पालिवाल उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जनपद गाजीपुर

के नवागत जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला 2016 बैंच के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले जनपद अंबेडकर नगर के जिलाधिकारी, के पर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। नवागत जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने जनपद के प्रिन्ट/इलेक्ट्रानिक मीडिया बन्धुओं के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में परिचयात्मक प्रेस-वार्ता करते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्बं मीडिया की जनपद के विकास के साथ-साथ शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक सहित विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

मौत के बाद भी इंसाफ अधूरा, बेटे की लाश लेकर दर-दर भटकती मां

- न्याय नहीं तो अंतिम संस्कार नही
- आरोपियों को बचाने में क्यों लगी है पुलिस?

अखंड भारत संदेश

19 वर्षीय मनोज की लाश पर उमड़ी भीड़

चित्रकूट। पाठा क्षेत्र के रुकमा बुजुर्ग के मजरा खांच में इंसाफ की सांसें जैसे थम गई हैं। एक गरीब परिवार का इकलौता सहारा, 19 वर्षीय मनोज, अब सिर्फ एक नाम रह गया है- और पीछे छोड़ गया है सवालों का ऐसा तूफान, जो पुलिस व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर रहा है। 16 सितंबर की शाम घरेलू सामान लेने निकला मनोज, गांव के ही कुछ लोगों के साथ गया और फिर जो हुआ, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। आरोप है कि शराब के नशे में धुत आरोपियों ने उसे बेरहमी से पीटा, छत से नीचे फेंका और फिर मरने के लिए सड़क किनारे फेंककर ऊपर मोटरसाइकिल रख दी, ताकि हादसा लगे। गंभीर हालत में उसे प्रयागराज के अस्पताल भेजा गया, जहां 21 सितंबर को दोपहर 1 बजे उसने दम तोड़ दिया। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती- असल सवाल यहीं से शुरू होता है। परिवार का आरोप है कि नामजद हिस्ट्रीशीटर आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस की कार्रवाई अब तक शून्य है। मां गौरा देवी ने अपने बेटे के शव के साथ न्याय की जिद ठान ली है कि जब तक दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, अंतिम संस्कार नहीं होगा। गांव में गुस्सा है, सन्नाटा है और प्रशासन की खामोशी चीख रही है। क्या गरीब की चीख इतनी सस्ती हो गई है कि न्याय भी अब ताकत और पहुंच का मोहताज बन गया है?

परिजनों की तहरीर पर केस में संशोधन, एसपी ने जारी की बाइट

चित्रकूट पुलिस अधीक्षक ने बहिलपुरवा थाना क्षेत्र की घटना पर स्पष्ट किया कि 20 अप्रैल 2026 को मिली तहरीर के अनुसार तीन युवक छत पर पार्टी कर रहे थे, जहां आपसी विवाद में एक युवक गिरकर घायल हो गया। प्रारंभ में इसे दुर्घटना बताया गया और परिजन उसे उपचार के लिए ले गए। बाद में युवक की हालत बिगड़ने पर 21 अप्रैल को स्वरूप रानी अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने पहले से दर्ज मुकदमे में ही परिजनों की नई तहरीर के आधार पर धाराएं बढ़ाकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी ने बताया कि अलग मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता, बल्कि उसी केस में संशोधन कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिले में जल जीवन मिशन के प्रभाव का आकलन, सकारात्मक परिणाम के दावे

चयनित गांवों में निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

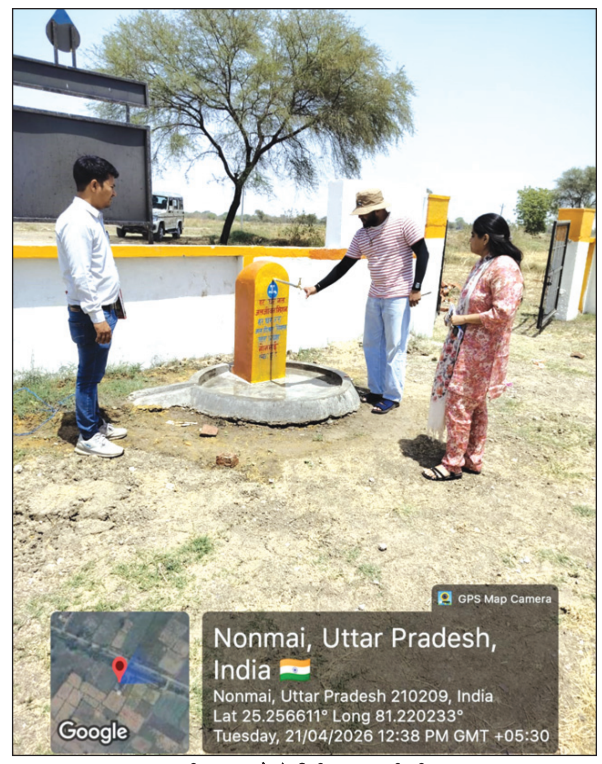

ग्रामीण अंचलों में निरीक्षण करती टीम

चित्रकूट। जिले के ग्रामीण अंचलों में अब प्यास सिर्फ बीते दिनों की कहानी बनती नजर आ रही है। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत जिले के 10 गांवों में किए गए विस्तृत इंपैक्ट असेसमेंट ने एक नई तस्वीर उजागर की है, जहां विकास अब आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में साफ झलक रहा है। विकासखण्ड मानिकपुर के गुन्टा बांध आधारित रैपुरा ग्राम समूह पेयजल योजना के अंतर्गत विशेषज्ञ टीम- डॉ गजल श्रीवास्तव, मोहम्मद सोली और त्रिलोक बलोदी- ने गांवों में पैदल भ्रमण कर जमीनी हकीकत को परखा। अगरहुंडा, सरैया, मऊ गुरदरी, बराह माफी और हनुवा जैसे गांवों में घर-घर पहुंची टीम ने पाया कि स्वच्छ पेयजल की नियमित आपूर्ति से न केवल स्वास्थ्य में सुधार हुआ है, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं के श्रम में भी बड़ी राहत मिली है। जलजनित बीमारियों में कमी और स्वच्छता के स्तर में बढ़ोतरी इस बदलाव की गवाही दे रहे हैं। अधिशासी अभियंता आशीष कुमार भारती के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना ने ग्रामीण जीवनशैली को नया आयाम दिया है। निरीक्षण के दौरान तकनीकी पहलुओं जैसे पाइपलाइन, क्लोरीनेशन और जल वितरण प्रणाली पर भी संतोषजनक स्थिति सामने आई।

जिले में एमएसपी पर दलहन-तिलहन खरीद के लिए केंद्र स्थापित, किसानों के लिए सुनहरा मौका

चित्रकूट। जिले में किसानों के लिए राहत और उम्मीद की एक नई किरण सामने आई है। जिला उद्यान अधिकारी प्रतिमा पाण्डेय ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रबी मौसम 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) के तहत मूल्य समर्थन योजना लागू की जा रही है, जिसके अंतर्गत तूर (अरहर-खरीफ), चना, मसूर और लाही-सरसों की सरकारी दरों पर खरीद सुनिश्चित की जाएगी। इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए उप्र राज्य औद्यानिक सहकारी विपणन संघ (हाफेड) के माध्यम से जनपद चित्रकूट में मेसर्स बरेठी मिलेट प्रोसेसिंग प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, पियारियामाफी, रामनगर कर्वी में एक क्रय केंद्र खोला जा रहा है। यहां किसानों की उपज सीधे समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी, जिसमें अरहर 8000 रुपये, चना 5875 रुपये, मसूर 7000 रुपये और लाही-सरसों 6200 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित है। प्रशासन ने जिले के समस्त किसानों से अपील की है कि वे अपनी उपज इस केंद्र पर बेचकर सरकारी मूल्य का लाभ उठाएं, जिससे बिचौलियों के चंगुल से मुक्ति मिल सके और किसानों की आय में सीधा इजाफा हो सके।

बहिलपुरवा में बेखौफ रफ्तार का कहर, जिंदगी से हार गए गुलाब पटेल

चित्रकूट। बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के शीतलपुर गांव में रफ्तार का कहर एक जिंदगी लील गया। 19 अप्रैल की रात अपने बगीचे की रखवाली कर रहे 55 वर्षीय गुलाब पटेल सड़क किनारे चारपाई पर लेटे थे, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल गुलाब को पहले जिला अस्पताल और फिर प्रयागराज के स्वरूपरानी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के बाद थोड़ी राहत मिलने पर उन्हें घर लाया गया। लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था- घर लौटने के बाद हालत फिर बिगड़ी और बुधवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए फरार वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

दहाड़ते पहिए, बुझी एक जिंदगी : भरतकूप में हिट एंड रन का खूनी खेल

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र में मंगलवार रात सड़क पर मौत ने ऐसा तांडव मचाया कि एक घर की खुशियां हमेशा के लिए उजड़ गईं। रौली कल्याणपुर निवासी लक्ष्मी प्रसाद, जो रोज की तरह बाइक से घर लौट रहे थे, अचानक एक अज्ञात वाहन की रफ्तार के शिकार बन गए। टक्कर इतनी भयावह थी कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की। लेकिन सबसे बड़ा सवाल- कातिल वाहन कौन था? पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है, पर अब तक सुराग नहीं। और शायद खंगालती ही रह जाए। उधर, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में आक्रोश उबल रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द आरोपी को पकड़ने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह हादसा नहीं, सड़क पर बेखौफ दौड़ती लापरवाही की भयावह तस्वीर है।

विश्वविद्यालय और प्रशासन की ऐतिहासिक साझेदारी से बदलेगा चित्रकूट का गांव

10 गांव पर हुआ एमओयू

अखंड भारत संदेश

एमओयू के साथ वीसी व सीडीओ

चित्रकूट। जिले में गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाते हुए प्रशासन और शैक्षणिक संस्थान ने मिलकर बदलाव की नई इबारत लिखने की शुरूआत कर दी है। प्रमुख सचिव नियोजन विभाग उप्र शासन के निर्देशों के क्रम में जीरो पॉवर्टी अभियान को जमीन पर उतारने के लिए विकास खंड कर्वी के 10 ग्राम पंचायत- अकबरपुर ब, बगलई, चन्द्रगहना, दहिनी, घुरेटनपुर, पाही, सुदिनपुर, टिटिहरा, पड़री और सपहा- को केंद्र में रखकर विशेष रणनीति तैयार की गई है। इसी कड़ी में 22 अप्रैल को मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल और जगतगुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जो केवल एक औपचारिक समझौता नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की मजबूत नींव माना जा रहा है। इस साझेदारी के तहत विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और जन-आधारित हस्तक्षेप के माध्यम से चिन्हित जीरो पॉवर्टी परिवारों को सशक्त बनाने की योजना है। अब देखना यह होगा कि यह पहल कागजों से निकलकर गांव की चौपाल तक कितनी तेजी से असर दिखाती है।

डीएम ने गढ़ीवा गौशाला व सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण, गौशाला की खामियां उजागर

गौशाला का निरीक्षण करते डीएम

चित्रकूट। जिले में प्रशासनिक सख्ती और संवेदनशीलता का दोहरा चेहरा उस समय देखने को मिला, जब जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने एक ही दिन में गढ़ीवा गौशाला और सखी वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की नब्ज टटोली। गढ़ीवा गौशाला में 172 गौवंश संरक्षित पाए गए, जहां जिलाधिकारी ने सुरक्षा, चारा, पेयजल और भूसे की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। भीषण गर्मी को देखते हुए पशुओं के लिए छाया व्यवस्था मजबूत करने और बीमार पशुओं के तत्काल उपचार हेतु पशु चिकित्सक को सूचना देने की सख्त हिदायत दी गई। वहीं, क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल के कारण पशुओं के बाहर निकलने की समस्या पर तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए गए, स्पष्ट चेतावनी के साथ कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। दूसरी ओर सखी वन स्टॉप सेंटर में निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं। रोस्टर ड्यूटी, रजिस्टरों के सुव्यवस्थित रखरखाव और 181 हेल्पलाइन के प्रकरणों की निगरानी पर जिलाधिकारी ने संतोष जताया। उन्होंने बालिकाओं से संवाद कर उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया और सेंटर में सकारात्मक माहौल, लाइब्रेरी में प्रेरक साहित्य व अखबार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन ने साफ किया कि गौसंरक्षण और महिला सुरक्षा दोनों ही उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं।

24 अप्रैल से 8 मई तक निशुल्क राशन वितरण, नई सुविधाएं लागू

चित्रकूट। मई 2026 के राशन वितरण को लेकर प्रशासन ने सख्त और हाईटेक व्यवस्था लागू कर दी है, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर सीधा शिकंजा कसने की तैयारी है। जिला पूर्ति अधिकारी के अनुसार 24 अप्रैल से 8 मई तक जनपद में निशुल्क खाद्यान्न वितरण अभियान चलेगा, जिसमें अंत्योदय कार्डधारकों को 35 किलो तथा पात्र गृहस्थी योजना के लाभार्थियों को प्रति यूनिट 5 किलो राशन दिया जाएगा। इस बार इंटर-स्टेट और इंट्रा-स्टेट पोर्टेबिलिटी की सुविधा भी रहेगी, जिससे लाभार्थी कहीं से भी राशन प्राप्त कर सकेंगे। खास बात यह है कि अंतिम दिन आधार फेल होने पर मोबाइल ओटीपी से भी वितरण संभव होगा। प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि बायोमेट्रिक के तुरंत बाद पूरा राशन दिया जाए, जबकि नोडल अधिकारी और पूर्ति निरीक्षक लगातार निगरानी कर पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगे।

प्रसव पीड़ा बनी मौत का रास्ता, एंबुलेंस से पहले थम गई मां-बच्चे की सांसें

राजापुर/चित्रकूट। थाना क्षेत्र में एक गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की दर्दनाक मौत ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नादिन कुर्मियांन गांव की रहने वाली चुनकी उर्फ नीता (25), जो अपनी दूसरी डिलीवरी के लिए मायके आई थीं, अचानक बिगड़ी तबीयत के बाद परिजनों द्वारा सीएचसी राजापुर लाई गईं, जहां डॉक्टरों ने ब्लड प्रेशर की समस्या बताकर इलाज किया। लेकिन देर रात हालत गंभीर होते ही जब उन्हें एंबुलेंस से ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में ही उनकी सांसें थम गईं। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना से दोनों परिवारों में मातम पसरा है, जबकि पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पृथ्वी दिवस पर सम्प्रेक्षण गृह में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

निरीक्षण एवं पोस्टर प्रतियोगिता संपन्न

बाल अपचारियों को सम्मानित करती सचिव इला चौधरी

चित्रकूट। जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में मंगलवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का औचक निरीक्षण करते हुए एक अनोखी जागरूकता पहल देखने को मिली। सचिव इला चौधरी ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता एवं पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित कर बाल अपचारियों के भीतर छिपी संवेदनाओं को उजागर करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिवस 1970 से पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक चेतना का प्रतीक है, और इस वर्ष प्लास्टिक प्रदूषण मुक्त पृथ्वी थीम के माध्यम से समाज को जागरूक करने का संदेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने रंगों के जरिए प्रकृति संरक्षण का संदेश उकेरा। विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर अधीक्षक बीर सिंह, परामर्शदाता दीपक शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे, जहां सुधार और संकल्प का संगम स्पष्ट नजर आया।

धरती बचाने निकले नन्हे प्रहरी, कछार पुरवा स्कूल से उठी हरित क्रांति की गूंज

पृथ्वी दिवस पर प्रदर्शन करते पीएमश्री विद्यालय के छात्र

चित्रकूट। जिले के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय कछार पुरवा में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर हमारी पृथ्वी ही हमारा भविष्य है थीम के तहत जागरूकता का अनोखा संगम देखने को मिला, जहां नन्हे बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाते हुए वृक्षारोपण, पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता और स्वच्छता रैली के माध्यम से सेव अर्थ, सेव फ्यूचर का बुलंद संदेश दिया। इको क्लब के नेतृत्व में बच्चों ने न सिर्फ पौधे लगाए, बल्कि प्लास्टिक का कम उपयोग करने और अधिक से अधिक हरियाली बढ़ाने का संकल्प भी लिया। प्रधानाध्यापिका रचना यादव ने कहा कि यह पहल महज कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य की मजबूत नींव है। वहीं हरित शिक्षक विद्या सागर सिंह ने बच्चों को विद्यालय के हर्बल और किचन गार्डन की देखभाल के साथ प्रतिदिन एक पर्यावरण हितैषी कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में शिक्षक, अभिभावक और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने इसे जनआंदोलन का रूप दे दिया।

उधर बुरा भिड़े अमेरिका-ईरान, इधर मलक्का में खेल गया भारत !

ईरान

एक तरफ ईरान और अमेरिका के युद्धपोत आमने-सामने है तो दूसरी तरफ पूरी दुनिया की नजर उस पतली सी समुद्री गली पर टिकी है जिसे स्टेट ऑफ हॉर्मोज कहा जाता है। यही वो जगह है जहां से दुनिया का करीब 20 से 30% तेल गुजरता है। अगर यहां एक चिंगारी भी भड़की तो असर सिर्फ मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरी ग्लोबल इकॉनमी हिल जाएगी। लेकिन इस पूरे संकट के बीच एक और देश है जिसकी ताकत चुपचाप दुनिया को चौंका रही है और वो देश है भारत। जी हां, बहुत से लोग सोच रहे हैं कि जंग जमीन पर लड़ी जाती है। लेकिन सच्चाई यह है कि आज की जंग चोक पॉइंट्स पर लड़ी जाती है। स्टेट ऑफ फॉर्म सिर्फ 33 किमी चौड़ा है। लेकिन इसकी अहमियत

इतनी बड़ी है कि यहां खड़ा छोटा सा देश भी सुपर पावर को रोक सकता है। ईरान ने यही किया। छोटी स्पीड बोट्स, एंटीशिप मिसाइल और माइंस का ऐसा जाल बिछाया कि दुनिया की सबसे ताकतवर नेवी भी सोचने पर मजबूर हो गई।

यहीं से दुनिया को एक बड़ा सबक मिला कि समंदर में ताकत जहाजों की संख्या से नहीं लोकेशन और रणनीति से तय होती है। अब इस पूरे सीन को हिंद महासागर के मैप पर रखकर देखिए। भारत के पास एक ऐसा ट्रंप कार्ड है जो शायद किसी देश के पास नहीं है और उस ट्रंप कार्ड का नाम है अंडमान और निकोबार द्वीप समूह। यह द्वीप सीधे दुनिया के सबसे अहम चौक पॉइंट्स में से एक है। मलक्का जलडमरू मध्य के पास स्थित है। यही वो रास्ता है जहां से चीन का ज्यादातर तेल और व्यापार गुजरता है। अगर भारत यहां अपनी पकड़ मजबूत कर ले तो चीन की सप्लाई लाइन पर सीधा असर पड़ सकता है। इसे ही रणनीतिक भाषा में कहा जाता है मलक्क का डायलेमा। पहले भारत की रणनीति सिर्फ अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित थी। लेकिन अब गेम बदल चुका है। आज भारतीय नौसेना के पास आईएएस विक्रांत आईएस विक्रमादित्य हैं। ये सिर्फ जहाज नहीं चलते फिरते एयरबेस हैं। इन पर तैनात लड़ाकू विमान और मिसाइल सिस्टम समंदर के बीच से ही दुश्मन पर हमला कर सकते हैं। अगर भारतीय ताकत की बात हो और ब्रह्मोस मिसाइल का जिक्र ना किया जाए ऐसा हो ही नहीं सकता है।

यह दुनिया की सबसे तेज एंटीशिप क्रूज मिसाइलों में से एक है। इसकी स्पीड और सटीकता दुश्मन को संभलने का मौका नहीं देती है। अब इसका एयर लॉन्च और हाइपरसोनिक वर्जन आने से भारत की ताकत और बढ़ गई है। मतलब साफ है दुश्मन का जहाज 500 किमी दूर भी सुरक्षित नहीं रहेगा। समंदर की असली जंग सतह पर नहीं गहराई में होती है। भारत की सबसे बड़ी ताकत है अरिहंत क्लास सबमरीन। महीनों तक पानी के नीचे रह सकती है। दुश्मन के लिए लगभग अदृश्य है।

न्यूक्लियर हथियार ले जाने में सक्षम है। यह भारत को देती है सेकंड स्ट्राइक कैपेबिलिटी। यानी अगर कोई हमला करे तो जवाब और भी खतरनाक होगा।

'संवेदनशील' फोटो के चलते दो बौद्ध भिक्षु एक साल से कैद

तिब्बत

माचू काउंटी के चू खामा मठ के दो तिब्बती भिक्षुओं, समतेन ग्यात्सो और जामयांग समतेन को एक साल से भी पहले चीनी अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया था। वे अभी भी हिरासत में हैं, और उनकी हालत या कानूनी स्थिति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। तिब्बत टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी हिरासत को लेकर लंबे समय से बनी चुप्पी ने उनके मठ, परिवारों और सहयोगियों को गहरी चिंता में डाल दिया है। तिब्बत टाइम्स के अनुसार, दोनों भिक्षुओं में से एक को सीधे मठ परिसर से ही हिरासत में ले लिया गया था, जबकि दूसरे को पुलिस ने एक मोबाइल फोन लेने के लिए बुलाया था, जिसे पहले जब्त कर लिया गया था; वहीं बुलाए जाने पर उसे गिरफ़्तार कर लिया गया। एक साल से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी, उनकी

गिरफ़्तारी की सही तारीखें स्पष्ट नहीं हैं, जिससे स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि करना और ज्यादा जानकारी हासिल करना मुश्किल हो गया है। इस मामले में पारदर्शिता की कमी ने स्थानीय सूत्रों के बीच चिंताओं को और बढ़ा दिया है। हालाँकि चीनी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से आरोपों के बारे में स्पष्टीकरण नहीं दिया है, लेकिन यह गिरफ़्तारियाँ उनके फोन में मिली संवेदनशील सामग्री से जुड़ी हो सकती हैं, जिसमें तिब्बती राष्ट्रीय ध्वज की तस्वीरें भी शामिल हैं। रिपोर्टों से यह भी पता चलता है कि हिरासत में लिए जाने से पहले दोनों भिक्षुओं से बार-बार पूछताछ की गई थी, जो अक्सर उन आरोपों पर आधारित थी जिन्हें सूत्र 'बेबुनियाद' बताते हैं।

बताया जाता है कि समतेन ग्यात्सो पर विशेष रूप से इसलिए कड़ी नजर रखी गई थी क्योंकि उन्होंने अपने हीउँ३ डिस्प्ले इमेज के तौर पर परम पावन दलाई लामा की एक तस्वीर लगाई हुई थी।

'बुढ़ापे' का बोझ, घटती आबादी बनी सबसे बड़ी चुनौती?

चीन

ताइपे टाइम्स की एक रिपोर्ट में एक ताइवानी शोधकर्ता के हवाले से कहा गया है कि चीन में तेजी से जनसांख्यिकीय बदलाव आ रहा है, जिसकी पहचान बढ़ती उम्र वाली आबादी और घटती प्रजनन दर है। दशकों तक आर्थिक विस्तार में मददगार रहा जनसांख्यिकीय लाभ अब तेजी से एक बोझ बनता जा रहा है। मेनलाइन अफेयर्स काउंसिल की 'मेनलाइन चीन और क्रॉस-स्ट्रेट स्थिति' पर नवीनतम ब्रीफिंग में प्रकाशित चीन की जनसंख्या संरचना के मुद्दों पर अवलोकन नामक एक लेख में, इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी रिसर्च के एसोसिएट शोधकर्ता वांग चान-हसी ने बताया कि 2016 के बाद से चीन की जन्म दर में काफी गिरावट आई है। उन्होंने बताया कि पिछले साल नवजात शिशुओं की संख्या घटकर 7.92 मिलियन रह गई, जो 2016 के आँकड़े का सिर्फ.44 प्रतिशत है।

यह गिरावट न केवल 9 मिलियन और 8 मिलियन जन्मों के पिछले अनुमानों से नीचे रही, बल्कि 1949 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना के बाद से यह सबसे निचला स्तर भी था। उन्होंने आगे कहा कि चीन की कुल आबादी घटकर 1.40489 बिलियन रह गई है, जो लगातार चार वर्षों की नकारात्मक वृद्धि को दशार्ता है। वांग ने चेतावनी दी कि चीन की जन्म दर तेजी से गिर रही है और अगले तीन से पाँच वर्षों के भीतर यह ताइवान, जापान और दक्षिण कोरिया में देखे गए स्तरों तक पहुँच सकती है। जैसे-जैसे जन्मों में कमी

आ रही है, शिक्षा क्षेत्र पर इसका असर पहले ही दिखना शुरू हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में लगभग 20,000 किंडरगार्टन बंद कर दिए गए, जिससे 240,000 से ज्यादा प्रीस्कूल टीचिंग की नौकरियाँ चली गईं। प्राइमरी स्कूलों में भी 2023 से हर साल 20 लाख से ज्यादा छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है, और कई इलाकों में टीचिंग पदों में भारी कमी आई है। शिक्षकों पर अपनी भूमिकाएँ बदलने का दबाव बढ़ता जा रहा है, जिससे जन्म दर में गिरावट के कारण होने वाली बेरोजगारी और बढ़ रही है।

जनसंख्या की लिंग संरचना में भी असंतुलन दिख रहा है; ग्रामीण इलाकों में पुरुषों की संख्या ज्यादा है, जबकि शहरी केंद्रों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है। चीन की 2021 की सातवीं राष्ट्रीय जनगणना के आँकड़ों से पता चलता है कि शहरों में लिंग अनुपात 100 महिलाओं पर 106 पुरुषों का है, जो ग्रामीण इलाकों में बढ़कर 100 महिलाओं पर 120 पुरुषों का हो जाता है।

दोषी को मिलेगी सख्त सजा- नेतन्याहू

इजरायल

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को उस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की, जिसमें दक्षिणी लेबनान में आईडीएफ के एक सैनिक पर कथित तौर पर एक कैथोलिक प्रतिमा को "नुकसान पहुंचाने" का आरोप लगा था। एक्स पर एक पोस्ट में नेतन्याहू ने कहा कि एक यहूदी राष्ट्र के तौर पर, इजरायल यहूदियों और सभी धर्मों के अनुयायियों के बीच सहिष्णुता और आपसी सम्मान के यहूदी मूल्यों को संजोता है और उनका पालन करता है। हमारी धरती पर सभी धर्म फलते-फूलते हैं और हम अपने समाज और क्षेत्र के निर्माण में सभी धर्मों के लोगों को समान मानते हैं। उन्होंने आगे भरोसा दिलाया कि सैन्य अधिकारी दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं।

कल, ज्यादातर इजरायलियों की तरह, मैं भी यह जानकर हैरान और दुखी था कि [illegible] के एक सैनिक ने दक्षिणी लेबनान में एक कैथोलिक धार्मिक मूर्ति को नुकसान पहुँचाया। मैं इस हरकत की कड़े शब्दों में निंदा करता हूँ।

सैन्य अधिकारी इस मामले की आपराधिक जाँच कर रहे हैं और दोषी के खिलाफ उचित रूप से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करेंगे। नेतन्याहू ने आगे दावा किया कि, मध्य पूर्व के अन्य देशों के विपरीत, इजरायल ही एकमात्र ऐसी जगह है जो सभी के लिए पूजा की आजादी" का पालन करता है।

सीरिया और लेबनान में मुसलमानों द्वारा ईसाइयों का नरसंहार किया जा रहा है, वहीं मध्य पूर्व के अन्य हिस्सों के विपरीत, इजराइल में ईसाई आबादी फल-फूल रही है। इजराइल इस क्षेत्र का एकमात्र देश है जहाँ ईसाई आबादी और जीवन स्तर में वृद्धि हो रही है। इजराइल मध्य पूर्व का एकमात्र ऐसा स्थान है जहाँ सभी को पूजा की स्वतंत्रता प्राप्त है।

11 लाख से ज्यादा भारतीयों की हुई सुरक्षित घर वापसी

इराक

जैसे-जैसे पश्चिम एशिया में दो हफ़्ते की सीजफायर की समय-सीमा 22 अप्रैल को खत्म होने के करीब पहुँच रही है, भारत ने इस क्षेत्र के अलग-अलग देशों से लगातार फ़्लाइट ऑपरेशन चलाकर 11 लाख से ज्यादा यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला है और उन्हें दूसरे रास्तों से भेजा है। ये जानकारी विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (खाड़ी) असीम महाजन ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई एक अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफि ंग के दौरान दी। महाजन ने बताया कि इस क्षेत्र के जिन देशों का हवाई क्षेत्र खुला है, वहाँ से भारत के लिए फ़्लाइट्स लगातार चल रही हैं। 28 फरवरी से अब तक, इस क्षेत्र से लगभग 11,30,000 यात्रियों ने भारत की यात्रा की है। एयरलाइंस, ऑपरेशनल और सुरक्षा से जुड़ी बातों को ध्यान में रखते हुए, वआए और भारत के बीच सीमित कमर्शियल फ़्लाइट्स चलाना जारी रखे हुए हैं। आज यूएई से भारत के लिए लगभग 110 फ़्लाइट्स के चलने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि सऊदी अरब और ओमान के अलग-अलग हवाई अड्डों से भारत के अलग-अलग शहरों के लिए उड़ानें चल रही हैं। कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला होने के कारण, आज कतर एयरवेज से भारत के अलग-अलग शहरों के लिए लगभग 10 से 11 उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि बहरीन का हवाई क्षेत्र खुला होने के बावजूद, बहरीन की गल्फ एयर ने घोषणा की है ।

'न्याय दो' की गूंज, एंटी-हैरेसमेंट का गंभीर आरोप

पाकिस्तान

नागरिक समाज के समूह, छात्र, राजनीतिक कार्यकर्ता और फहमीदा लघारी के रिश्तेदार कराची प्रेस क्लब के बाहर जमा हुए। उन्होंने कराची के मीरपुरखास इलाके में एक युवा मेडिकल छात्रा की कथित आत्महत्या की जांच के तरीके पर गहरी चिंता जताई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे एक पारदर्शी, निष्पक्ष और पूरी जांच करने में नाकाम रहे हैं, और साथ ही पीड़ित के परिवार द्वारा नामजद किए गए लोगों को गिरफ्तार करने में भी लापरवाही

बरती है। डॉन के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने तत्काल कार्रवाई की मांग की। इसमें कथित दोषियों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई, तथा सभी शिक्षण संस्थानों में उत्पीड़न-रोधी (एंटी-हैरेसमेंट) समितियों की स्थापना शामिल थी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (लफ्फढ) के उपाध्यक्ष काजी खिजर ने पुष्टि की कि लफ्फढ, औरत फाउंडेशन और छात्र समूहों के सदस्य लघारी के परिवार के अनुरोध पर इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इस बीच, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकताओं ने भी, जिनमें कई महिलाएं शामिल थीं, उसी जगह पर एक अलग प्रदर्शन किया।

पीटीआई सिंध के अध्यक्ष हलीम आदिल शेख ने आरोप लगाया कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने प्रदर्शन के दौरान पार्टी की दो महिला कार्यकताओं, हुस्ना बट और हुमा को हिरासत में ले लिया।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का बड़ा एक्शन

नेपाल

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के कुलपतियों को निर्देश दिया है कि वे पार्टी से जुड़े संघों को तुरंत हटा दें। प्रधानमंत्री ने सोमवार को अपने कार्यालय में कुलपतियों के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह निर्देश दिया, और उन्हें आदेश दिया कि वे परिसरों से पार्टी से जुड़े छात्र और कर्मचारी संघों को हटाने के फैसले को तुरंत लागू करें। तीन घंटे तक चली इस लंबी बैठक में, प्रधानमंत्री ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी परिस्थिति में राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उनके कार्यालय के अनुसार, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से पार्टी से जुड़ी संरचनाओं को हटाने में कोई भी कानून बाधा नहीं बनेगा।

इस बात पर जोर देते हुए कि अस्पताल, परिसर और स्कूल "पवित्र स्थान" हैं, शाह ने कहा कि ऐसी जगहों पर किसी भी राजनीतिक दल के झंडे, प्रभाव या संगठनात्मक ढांचे की अनुमति नहीं होगी। शाह ने यह भी सुझाव दिया कि जो लोग राजनीति में रुचि रखते हैं, उन्हें अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों से हट जाना चाहिए और पूरी तरह से राजनीति में शामिल होना चाहिए। चर्चा के दौरान, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. धनेश्वर नेपाल ने कहा कि छात्र संगठनों को खत्म करने के प्रयासों के कारण धमकियाँ और हमले हुए हैं, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री शाह ने कुलपतियों को निर्देश दिया कि यदि राजनीतिक ढांचों को हटाने के दौरान कोई सुरक्षा संबंधी समस्या आती है, तो वे तुरंत

संबंधित मंत्रालय या प्रधानमंत्री सचिवालय को सूचित करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार सुरक्षा समन्वय सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, और कहा कि पुलिस प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करेगा। शाह ने कुलपतियों से यह भी आग्रह किया कि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें।

प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों को आगे निर्देश दिया कि वे शैक्षणिक कैलेंडर का सख्ती से पालन करें और परीक्षा परिणाम एक महीने के भीतर प्रकाशित करें। इसी तरह, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री सस्मित पोखरेल ने कहा कि मंत्रालय ने राजनीतिक दलों से जुड़े ढांचों को समाप्त करने के निर्देश पहले ही जारी कर दिए हैं, और मौजूदा कानून इनके कार्यान्वयन में कोई बाधा नहीं डालते हैं। बैठक के दौरान, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. दीपक आर्यल ने कहा कि "ॠील्ल-" आंदोलन और हालिया चुनावों के बाद छात्र और कर्मचारी संगठन धीरे-धीरे निष्क्रिय हो गए हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

भारत-रूस की मिलिट्री डील के बाद यूक्रेन का बड़ा ऐलान

यूक्रेन

जैसे यूक्रेन ने देखा कि रूस और भारत के बीच रीलॉस समझौता हो गया, वैसे ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलस्की ने खुद एक्स पर पोस्ट लिखा और ऐलान कर दिया कि हम भारत के साथ सुरक्षा सहयोग का समझौता अंतिम रूप दे रहे हैं। बहुत बड़ा स्टेटमेंट है और उन्होंने कहा कि दस्तावेज तैयार हो रहे हैं और यह ऐलान ठीक उसी दिन हुआ जब 18 अप्रैल को रूस ने भारत के साथ रीलॉस समझौते के पूरे दस्तावेज अपने ऑफिशियल पोर्टल पर जारी कर दिए। यानी रीलॉस लागू होते ही 3000 सैनिक, पांच युद्धपोत और 10 लड़ाकू विमान तैनात करने की अनुमति मिलते ही यूक्रेन घबरा गया और भारत को रिझाने की कोशिश में लग गया। रूस से जारी जंग में फंसे हुए यूक्रेन को अचानक समझ में आ गया है कि अगर रूस की मार से उन्हें कोई बचा सकता है तो वो है भारत और इसीलिए जेलस्की साहब भारत को रिझाने में लग चुके हैं। तो आज भारत तक के खास शो मित्र देश में हम बात करेंगे चर्चा करेंगे कि भारत की ताकत की जिसे देखकर यूक्रेन खुद डील करने का ऐलान कर चुका है और यह सब रूस भी देखकर हैरान होगा कि भारत ने आखिरकार एक तीर से दो निशाने कैसे मारे। तो चलिए हम विस्तार से समझते हैं कि रिलॉस समझौते के दस्तावेज जारी होते ही जेलस्की ने भारत के साथ सुरक्षा समझौते का ऐलान क्यों कर दिया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलस्की ने कहा कि हम अगले सप्ताह अपने साझेदारों के

साथ सुरक्षा सहयोग के बारे में बड़ा ऐलान बड़ी घोषणाएं करने वाले हैं। हवाई सुरक्षा और सेना को सपोर्ट हमारी टॉप प्रायोरिटी है और हां भारत के साथ हमारा सुरक्षा सहयोग का समझौता पहले से ही है। हम उसे फाइनल करने जा रहे हैं ताकि दस्तावेज तैयार हो जाए। बता दें कि रूस ने 18 तारीख को रिलॉस के कागजात पब्लिक कर दिए। 19 तारीख को जलस्की ने भारत का नाम ले लिया और यह संयोग नहीं है दोस्तों यह घबराहट है यूक्रेन की। यूक्रेन को लग रहा है कि भारत अब रूस के साथ इतना गहरा हो चुका है कि शायद भारत कुछ बोल दे या मध्यस्था कर दे तो रूस रुक जाए। अब रुस्तम उमेरो जो यूक्रेन के नेशनल सिक्योरिटी के सेक्रेटरी हैं। 17 अप्रैल को दिल्ली आते हैं। अजीत डोबाल और एस जयशंकर से मुलाकात करते हैं। मुलाकात में डोबाल साहब ने साफ कह दिया कि भारत शांति चाहता है।

बातचीत से समाधान चाहता है। वहीं उमेरोव ने भी कहा कि स्थाई शांति के लिए समाधान ढूंढने पर उनकी सहमति है। लेकिन जेलस्की ने ऐलान कर दिया इसी बीच कि समझौता फाइनल हो रहा है भारत के साथ। दोस्तों, यह दिखाता है, बताता है कि यूक्रेन रूस की मार खा कर थक चुका है। जंग चौथे साल में पहुंच गई है।

पश्चिमी मदद रुक चुकी है। हथियार कम पड़ रहे हैं। ऐसे में भारत को रिझाना पड़ा है अब यूक्रेन को। रूस यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद इनमें नई गतिशीलता देखने को मिली। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेनी यात्रा के दौरान दोनों नेताओं के बीच एक संयुक्त बयान जारी हुआ था। हमने भारत पर आपको दिखाया भी था। जिसमें द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया था और अब जेलस्की की घोषणा उसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।